आषाढ़ शुक्ल पक्ष -7, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 15 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
20 जुलाई 2026 सोमवार

आज का मौसम
33.4 अधिकतम
25.5 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

जंग अब तेल की नहीं, पानी और रेयर अर्थ की... नए वर्ल्ड ऑर्डर की दहलीज़ पर दुनिया

दुनिया इस समय दो युद्ध देख रही है, लेकिन इतिहास शायद इन्हें केवल युद्धों के रूप में याद नहीं करेगा। आने वाली पीढ़ियाँ इन्हें उस दौर के रूप में पढ़ेंगी, जब पुरानी विश्व-व्यवस्था दरक रही थी और एक नई वैश्विक व्यवस्था आकार ले रही थी। सवाल केवल ईरान, यूक्रेन, रूस या अमेरिका का नहीं है। असली सवाल यह है कि इक्कीसवीं सदी की वैश्विक सत्ता का केंद्र आखिर होगा कहाँ?

प्रसंगवश: पार्ट-1
राजेश सिरोठिया

क्या जंग के जुनून में डूबे ट्रम्प को आगे का इल्म है ?

ईरान और अमेरिका के बीच टकराव ने एक बात निर्विवाद रूप से सिद्ध कर दी है कि केवल आर्थिक प्रतिबंध किसी राष्ट्र की इच्छाशक्ति को पराजित नहीं कर सकते। वर्षों से प्रतिबंध झेल रही ईरानी अर्थव्यवस्था महँगाई, मुद्रा अवमूल्यन और निवेश संकट से जूझ रही है, लेकिन तमाम प्रतिकूलताओं के बावजूद ईरानी सेना से लेकर आम आदमियों का मनोबल बताता है कि युद्ध केवल हथियारों से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प और धैर्य से भी लड़े जाते हैं। इस युद्ध की कीमत केवल ईरान नहीं चुका रहा। अमेरिका अरबों डॉलर के सैन्य खर्च, पश्चिम एशिया में अपनी बढ़ती सैन्य मौजूदगी और वैश्विक कूटनीतिक दबाव का बोझ उठा रहा है। सबसे बड़ी मार पूरे मध्य-पूर्व पर पड़ रही है। जैसे ही तनाव बढ़ता है, तेल महँगा होता है, समुद्री व्यापार प्रभावित होता है और दुनिया की अर्थव्यवस्था की नब्ज़ तेज़ हो जाती है।

रूस-यूक्रेन युद्ध ने पहले ही यह साबित कर दिया था कि आधुनिक युद्ध केवल सीमा पर नहीं लड़े जाते, बल्कि ऊर्जा बाज़ारों, आपूर्ति श्रृंखलाओं और महँगाई के मोर्चे पर भी लड़े जाते हैं। यूरोप, जो कभी अपनी गैस का लगभग 40 प्रतिशत रूस से प्राप्त करता था, उसे अचानक महंगे विकल्प अपनाने पड़े। ऊर्जा संकट ने महँगाई को नई ऊँचाइयों पर पहुँचा दिया। भारत, जापान, चीन और अनेक देशों को भी ऊर्जा आयात पर अतिरिक्त अरबों डॉलर खर्च करने पड़े। युद्ध का धुआँ कहीं और से उठा , उसकी आँच पूरी दुनिया सह रही। दरअसल पिछले पाँच दशकों तक अमेरिका की वैश्विक ताकत का सबसे बड़ा आधार केवल उसकी सेना नहीं, बल्कि 'पेट्रोडॉलर व्यवस्था' रही। दुनिया का अधिकांश तेल अमेरिकी डॉलर में खरीदा-बेचा गया। इससे डॉलर विश्व की सबसे प्रभावशाली मुद्रा बना रहा और अमेरिका को असाधारण आर्थिक शक्ति मिली। लेकिन शायद इसी आत्मविश्वास में वॉशिंगटन एक दूसरी खामोश क्रांति को समय रहते नहीं पढ़ पा रहा। ब्रिक्स के साथ कई देश मुद्रा विनिमय के दूसरे रास्ते अपनाने की तरफ़ बढ़ रही है।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार पृथ्वी के कुल जल का केवल लगभग 2.5 प्रतिशत ही मीठा पानी है और उसमें भी अधिकांश हिमनदों में बंद है। मानव उपयोग के लिए उपलब्ध मीठे पानी का हिस्सा अत्यंत सीमित है। ऐसे में आने वाले दशकों में पानी का महत्व तेल से कम नहीं होगा। संभव है कि इक्कीसवीं सदी के उत्तरार्ध में संघर्षों की सबसे बड़ी वजह तेल नहीं, बल्कि पानी और तकनीकी बदलाव होंगे। यानी जब दुनिया का बड़ा हिस्सा युद्धों, प्रतिबंधों और तेल की राजनीति में उलझा था, तब चीन बंदरगाह, रेल नेटवर्क, औद्योगिक उत्पादन, बैटरी तकनीक, रेयर अर्थ प्रोसेसिंग और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर अपनी पकड़ मजबूत कर रहा था। इसलिए आज शक्ति की परिभाषा बदल रही है। केवल परमाणु हथियार या विमानवाहक पोत ही महाशक्ति की पहचान नहीं रहे; तकनीक, ऊर्जा, पानी, खनिज और आपूर्ति श्रृंखला पर नियंत्रण भी उतना ही निर्णायक बन चुका है।

कल रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त हो जाए और ईरान-अमेरिका का तनाव भी किसी समझौते तक पहुँच जाए, तब भी दुनिया पहले जैसी नहीं होगी। इन युद्धों ने केवल सीमाएँ नहीं बदलीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आने वाले वर्षों में दुनिया की सबसे बड़ी ताकत वही होगी जिसके पास ऊर्जा सुरक्षा, जल संसाधन, रेयर अर्थ मिनरल्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर निर्माण और मजबूत औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला होगी। बीसवीं सदी तेल की थी, इक्कीसवीं सदी तकनीक, पानी और रणनीतिक खनिजों की होगी।

(इन बदले हालत के बीच भारत कहाँ खड़ा है, इसकी विवेचना अगले अंकों में) - निरंतर...

अमेरिका का अपना मद और पैरों तले से दरी खींचता चीन

दुनिया में मची तनातनी के बीच चीन चुपचाप अपने भविष्य की नींव रख रहा था। उसने दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक धातुओं—रेयर अर्थ मिनरल्स की प्रोसेसिंग क्षमता पर लगभग 90 प्रतिशत नियंत्रण स्थापित कर लिया। आज स्मार्टफोन से लेकर मिसाइल, ड्रोन, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतरिक्ष तकनीक तक, लगभग हर आधुनिक उद्योग इन खनिजों पर निर्भर है। जिस देश के पास इनकी प्रोसेसिंग क्षमता होगी, वही तकनीकी दौड़ का नेतृत्व करेगा। चीन ने खनिजों के साथ पानी पर भी दीर्घकालिक रणनीति अपनाई। थ्री गॉर्जेस डैम जैसे दुनिया के सबसे बड़े जलविद्युत परियोजना की क्षमता लगभग 22,500 मेगावाट है। इसके अतिरिक्त उसने अनेक विशाल बाँधों का निर्माण किया और नए जल संसाधनों पर लगातार निवेश किया। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में पानी केवल जीवन का स्रोत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक शक्ति का भी आधार बनता जा रहा है।

न्यूज विंडो

वर्धा में कार को ट्रक ने पीछे से मारी टक्कर, 6 की मौके पर मौत

वर्धा। महाराष्ट्र के वर्धा जिले के समृद्धि एक्सप्रेस-वे पर एक तेज रफ्तार आयशर ट्रक और कार के बीच हुई भीषण टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई है, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। यह हादसा पुलगांव पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले विरुल इंटरचेंज के पास हुआ। हादसा उस वक्त हुआ जब एक आयशर ट्रक ने कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक के नीचे कार दब गई और ट्रक में आग लग गई। ट्रक में मिर्च लदी थी। इस हादसे में कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

पन्ना टाइगर रिजर्व: 3 महीने में तीसरे बाघ की गई जान, उठ रहे सवाल

पन्ना। पन्ना जिले में स्थित पन्ना टाइगर रिजर्व एक बार फिर से चर्चा में है, जहां से वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक दुख खबर सामने आई है। किशनगढ़ कोर रेंज के तहत बृजपुरा बीट के दुर्गम पहाड़ी इलाके में गश्ती दल को एक वयस्क नर बाघ का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला, जिसके बाद से वन विभाग में हलचल मची हुई है। पिछले तीन महीनों में टाइगर रिजर्व (पीटीआर) में बाघ की मौत का यह तीसरा मामला है, जिससे वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

भूकंप के झटकों से हिली नेपाल की धरती

काठमांडू। नेपाल की धरती एक बार फिर भूकंप के तेज झटकों से हिल उठी। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5 मापी गई है। भूकंप आते ही लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोग घरों से बाहर खुले में निकल आए। भूकंप से फिलहाल किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि नेपाल के लुंबिनी प्रांत के पूर्वी रुकुम जिले में 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के मुताबिक भूकंप का केंद्र पूर्वी रुकुम के कोल क्षेत्र में था। यह इलाका काठमांडू से लगभग 400 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है।

कॉकरोच जनता पार्टी का संसद मार्च, सोनम वांगचुक अस्पताल से डिस्चार्ज पर अड़े

जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज, कई के सिर फूटे, मेट्रो स्टेशनों में घुसे प्रदर्शनकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में जंतर-मंतर पर आज सुबह कॉकरोच जनता पार्टी ने संसद मार्च शुरू किया। इस दौरान आरएएफ और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी देखने को मिली। लाठीचार्ज में कई लोगों के सिर फूटने की खबर है। जंतर-मंतर से संसद तक के डेढ़ किमी के रास्ते में सिर्फ प्रदर्शनकारी ही दिखाई दे रहे थे। इस दौरान प्रदर्शनकारी राजीव चौक और मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन में घुस गए। कई लोग बैरिकेडिंग तोड़कर पार्लियामेंट थाने तक भी पहुंचे। इसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया।

इधर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने कहा कि अगर 2 घंटे में सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर नहीं भेजा तो वे संसद मार्च के लिए निकल जाएंगे। वांगचुक सफदरजंग अस्पताल में भर्ती हैं। आज उनकी भूख हड़ताल का 23वां दिन है। वांगचुक ने अस्पताल को पत्र लिखकर कहा, 'संसद मार्च में जाना है, मुझे डिस्चार्ज करें।' उधर, सीजेपी प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मिलने के लिए पहुंचे हैं। इससे पहले सुबह 10 बजे पुलिस ने जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज किया। इससे कई लोगों को चोटें आई हैं और कई लोगों के सिर भी फूट गए हैं। हालांकि, पुलिस ने इससे इनकार किया है।

संसद की ओर जाने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों को रोकती पुलिस।

एमपी विधानसभा में उज्जैन जमीन खरीदी पर हंगामा

मानसून सत्र के पहले दिन कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने उज्जैन में जमीन खरीदी का मामला उठाया। इस पर चर्चा की मांग की, जिसका बीजेपी विधायकों और मंत्रियों ने विरोध किया। संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा- यह मुद्दा स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा में नहीं लाया जा सकता है। इसके बाद कांग्रेस विधायक गर्भगृह के पास पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि इस मुद्दे पर नियम 139 के अंतर्गत चर्चा करेंगे। जवाब में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- स्थगन प्रस्ताव सिंहस्थ की जमीन छीनने को लेकर और मुख्यमंत्री के परिवार द्वारा जमीन खरीदी को लेकर है। इस पर चर्चा कराई जाए। विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले कांग्रेस के विधायक सत्ता पक्ष के नेताओं के मुखौटे पहनकर परिसर में पहुंचे।

उधर... संसद में शोरशराबा

खड़गे बोले- लाठीचार्ज से बच्चों की आवाज दबा रही सरकार

राज्यसभा में नीट पेपर लीक का मुद्दा उठाया गया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- जंतर-मंतर पर बच्चे इकट्ठा हुए, उनकी आवाज को दबाया जा रहा है। पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया। उधर लोकसभा में भी विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया। विपक्षी नेताओं ने NEET-UG पेपर लीक और राम मंदिर चढ़ावा चोरी समेत कई मुद्दों पर चर्चा की मांग की। कई सांसद पोस्टर, बैनर लेकर आए। इस बीच कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल लोकसभा में पेश किया। इससे पहले मोदी ने संसद के हंस द्वार पर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि मानसून हो या मानसून सत्र, अगर दोनों प्रो-एक्टिव हों तो बहुत ही प्रोडक्टिव होते हैं।

अमेरिका-ईरान जंग

तबरीज मिसाइल फील्ड में आग लगी, अमेरिकी सैनिक की मौत

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने लगातार नौवीं रात ईरान पर हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक ईरान के सैन्य कमांड सेंटर, एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइल और ड्रोन लॉन्च साइट्स समेत कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

हमलों के बाद उत्तर-पश्चिमी ईरान की तबरीज मिसाइल फील्ड में आग लगने की खबर है। स्थानीय लोगों के मुताबिक इस मिसाइल परिसर में अमेरिकी हमलों के बाद आग भड़क उठी। इस मिसाइल फील्ड को इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स एयरोस्पेस फोर्स चलाती है। उत्तरी इराक में बिना फटे ईरानी ड्रोन को नष्ट करने के दौरान एक अमेरिकी सैनिक की मौत हो गई। एक अन्य अमेरिकी सैनिक घायल हुआ है, जिसका इलाज चल रहा है। इसके साथ ही जंग में मारे गए अमेरिकी सैनिकों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है।

40 हजार करोड़ का सिंधिया संपत्ति विवाद, आज कोर्ट में अहम सुनवाई

ग्वालियर। सिंधिया राजघराने की करीब 40 हजार करोड़ रुपये की पैतृक संपत्तियों के बहुचर्चित विवाद में आज जिला न्यायालय में अहम सुनवाई हो रही है। पिछली सुनवाई में अदालत ने इस मामले से संबंधित पूरा रिकॉर्ड पेश करने के निर्देश दिए थे, लेकिन रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने के कारण राजीनामे (समझौते) की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी और सुनवाई आज के लिए स्थगित कर दी गई थी। आज की सुनवाई इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि यदि न्यायालय के समक्ष पूरा रिकॉर्ड प्रस्तुत हो जाता है तो दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते को लेकर आगे की न्यायिक प्रक्रिया शुरू हो सकती है। पिछले कुछ समय से संकेत मिल रहे हैं कि सिंधिया परिवार आपसी सहमति से दशकों पुराने इस संपत्ति विवाद का समाधान चाहता है। सूत्रों के अनुसार, न्यायालय में पेश किए जाने वाले रिकॉर्ड में विवादित संपत्तियों का विस्तृत विवरण शामिल है।

नागालैंड में बारिश से तबाही, लैंडस्लाइड से 8 की मौत

कोहिमा, एजेंसी

देश के उत्तर पूर्वी राज्यों में भारी बारिश के कारण जमकर तबाही हो रही है। नागालैंड के मोन जिले में कई स्थानों पर हुए भीषण भूस्खलन के कारण कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और बारह अन्य घायल हो गए। मोन जिले के उप आयुक्त वेनयेई कोन्याक ने बताया कि अब तक चार शव बरामद किए जा चुके हैं और चार अन्य अभी भी मलबे के नीचे दबे हुए हैं।' मोन कस्बा और तिजित सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र हैं। भारी बारिश लगभग रात एक बजे शुरू हुई और हमें भूस्खलन की सूचना सुबह 6-7 बजे के आसपास मिली।

देश में आज अच्छी बारिश के आसार

नई दिल्ली। इसरो की सैटेलाइट तस्वीरों के मुताबिक देश के करीब 70% हिस्से में मानसूनी बादल छाए हुए हैं। 25 जुलाई तक उत्तर, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत समेत देश के 60% से ज्यादा हिस्सों में अच्छी बारिश की संभावना है। इस मानसून सीजन में देशभर में बारिश सामान्य से 24% कम हुई है। इधर, यूपी में नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। वाराणसी और प्रयागराज में घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। काशी में दशाश्वमेध से लेकर पंचगंगा घाट तक रत्नेश्वर महादेव मंदिर समेत 40 छोटे मंदिरों में पानी घुस गया है। भोपाल में तीन दिनों तक हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं, राजस्थान में मानसून पर ब्रेक लगने के बाद गर्मी बढ़ने लगी है।

आज का कार्टून

इस्लामनगर से यूसीसी की मंजूरी... इतिहास के जरिए भविष्य के संकेत

राजनीति में कई बार शब्दों से अधिक प्रभाव प्रतीकों का होता है। मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में डॉ. मोहन यादव सरकार ने जिस स्थान से इसकी औपचारिक शुरुआत का निर्णय लिया, वह गहरे राजनीतिक और सांस्कृतिक संदेश से जुड़ा है। इस्लामनगर का चयन संयोग नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति माना जा रहा है।

खबर से आगे
अनिल शर्मा

इतिहास के पन्ने बताते हैं कि नवाब दोस्त मोहम्मद खान (लगभग 1657-1728) एक अफगान पश्तून सैनिक थे जिन्होंने भोपाल में इस्लामी राज्य की स्थापना की। औरंगजेब की मृत्यु के बाद एक भाड़े के सैनिक के रूप में सत्ता में आने के बाद, उन्होंने फतेहगढ़ किले के निर्माण से पहले इस्लाम नगर को अपनी प्रारंभिक राजधानी बनाया। गोंड रानी कमलापति को धोखा दिया और उनकी मृत्यु के बाद भोपाल रियासत पर कब्ज़ा कर लिया। आज भाजपा सरकार इस्लामनगर का नाम बदलकर जगदीशपुर कर चुकी है, लेकिन यह स्थान अभी भी अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के कारण पहचान रखता है।

ऐसे स्थान पर यूसीसी को औपचारिक स्वीकृति देने की प्रक्रिया शुरू करना एक स्पष्ट राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। सरकार मानो यह बताना चाहती है कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में सर्वोच्चता किसी धार्मिक या व्यक्तिगत कानून की नहीं, बल्कि संविधान की है। समान नागरिक संहिता की अवधारणा भी इसी संवैधानिक दर्शन से प्रेरित है कि सभी नागरिक कानून की दृष्टि में समान हैं और नागरिक अधिकारों तथा कर्तव्यों का आधार धर्म नहीं, संविधान होना चाहिए। विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और संपत्ति जैसे विषयों पर अलग-अलग कानूनों के बजाय एक समान व्यवस्था लागू करना इसी सोच का हिस्सा है। खासकर मुस्लिम समाज में होने वाले बहुविवाह पर रोक और बेटियों को समान अधिकार जैसे प्रावधान इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं।

समाज में विश्वास कायम करना चुनौती

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस कदम के माध्यम से भाजपा अपने उस वैचारिक एजेंडे को भी रेखांकित कर रही है, जिसमें एक राष्ट्र, एक संविधान और समान नागरिक अधिकारों की अवधारणा प्रमुख रही है। वहीं विपक्ष और मुस्लिम संगठनों के लिए भी यह संदेश है कि यूसीसी पर होने वाली बहस केवल धार्मिक पहचान तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उसे संवैधानिक कसौटी पर भी परखा जाएगा। हालाँकि, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यूसीसी पर संवाद टकराव के बजाय विश्वास और सहभागिता के वातावरण में आगे बढ़े। संविधान धार्मिक स्वतंत्रता की भी गारंटी देता है और समानता की भी। इसलिए सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती कानून बनाने से अधिक समाज में उसका विश्वास कायम करना होगी। इस्लामनगर से शुरू हुई यह पहल केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं, बल्कि इतिहास, राजनीति और संविधान के त्रिकोण पर खड़ा वह प्रतीक है, जिसकी गूँज मध्य प्रदेश से निकलकर राष्ट्रीय विमर्श तक सुनाई दे सकती है।

हबीबगंज जैन मंदिर में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़, जैन संत समय सागर महाराज के चातुर्मास के चलते ट्रैफिक में बदलाव

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में जैन संत 108 आचार्य श्री समय सागर महाराज के चातुर्मास कार्यक्रम की शुरुआत के साथ ही हबीबगंज जैन मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। शहर के अलावा दूसरे जिलों से भी बड़ी संख्या में अनुयायी प्रतिदिन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंच रहे हैं। बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस ने कार्यक्रम अवधि के दौरान यातायात और पार्किंग व्यवस्था में बदलाव किया है। नई व्यवस्था के अनुसार प्रतिदिन सुबह 7 बजे से कार्यक्रम समाप्त होने तक मानसरोवर से प्रगति चौराहा के बीच यातायात पूरी तरह डायवर्ट रहेगा। इस दौरान आम नागरिकों से भी वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की गई है।

इन मार्गों से होकर गुजरेगा ट्रैफिक

- मानसरोवर की ओर से आने वाले वाहन महावीर द्वार, नूतन कॉलेज, व्यापम चौराहा होते हुए बोर्ड ऑफिस की ओर भेजे जाएंगे।
- बोर्ड ऑफिस चौराहे से आगे जाने वाला यातायात ज्योति टॉकीज, चेतक ब्रिज, आईएसबीटी और आरआरएल मार्ग से संचालित किया जाएगा।
- रेलवे स्टेशन जाने वाले यात्रियों को समय रहते घर से निकलने और वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी गई है।
- नर्मदापुरम और मंडीदीप की ओर जाने वाले वाहन जीजी फ्लाईओवर का उपयोग करेंगे।

पार्किंग के लिए अलग व्यवस्था

कार्यक्रम में चारपहिया वाहन से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों की पार्किंग एमपी नगर लेफ्ट साइड रोड पर की जाएगी। कार्यक्रम स्थल के आसपास सड़क पर किसी भी प्रकार का वाहन खड़ा करने की अनुमति नहीं होगी। वहीं, श्रद्धालुओं को लेकर आने वाली बसें प्रगति पेट्रोल पंप चौराहा पर यात्रियों को उतारेंगी। इसके बाद बसें बोर्ड ऑफिस होते हुए आईएसबीटी बस पार्किंग में खड़ी की जाएंगी।

करोंद के ट्रांसपोर्ट कारोबारी को ठगों ने बनाया निशाना

सोशल मीडिया पर दोस्ती और फिर प्यार कारोबारी से 16 लाख की साइबर ठगी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

साइबर ठग अब लोगों को शिकार बनाने के लिए ओटीपी या बैंक अधिकारी बनने जैसे पुराने तरीकों के बजाय सोशल मीडिया पर दोस्ती और प्यार का सहारा ले रहे हैं। पहले फेसबुक, इंस्टाग्राम या वाट्सएप पर पहचान बढ़ाई जाती है, फिर विश्वास कायम कर फर्जी ट्रेडिंग ऐप में निवेश के नाम पर लाखों रुपये ऐंठ लिए जाते हैं। भोपाल में ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं।

करोंद निवासी ट्रांसपोर्ट कारोबारी राहुल शर्मा की फेसबुक पर एक युवती से दोस्ती हुई। करीब एक महीने तक बातचीत के बाद युवती ने खुद को संपन्न बताते हुए कम समय में बड़ा मुनाफा कमाने का झांसा दिया। उसके कहने पर राहुल ने फर्जी ट्रेडिंग ऐप में धीरे-धीरे 16 लाख रुपये निवेश कर दिए। ऐप पर मुनाफा भी दिखाया गया, लेकिन रकम निकालने की कोशिश करने पर टैक्स और प्रोसेसिंग फीस के नाम पर अतिरिक्त पैसे मांगे गए। शक होने पर जांच की तो पूरा प्लेटफार्म फर्जी निकला। इसके बाद युवती का मोबाइल नंबर और सोशल मीडिया प्रोफाइल बंद हो गया। इसी तरह बागसेवनिया निवासी इंजीनियरिंग छात्र विनय सक्सेना की इंस्टाग्राम पर एक युवती से दोस्ती हुई। कई महीनों की बातचीत के बाद निवेश का सुझाव मिलने पर उन्होंने भी फर्जी ऐप में रकम लगाई और करीब तीन लाख रुपये गंवा दिए। पुलिस ने लोगों को सोशल मीडिया पर बने रिश्तों के आधार पर निवेश से बचने की सलाह दी है।

फाइल फोटो।

ठगों का लव-ट्रैप ऐसे करता है काम

साइबर ठगी के नए तरीके में ठग सीधे पैसे मांगने के बजाय पहले भावनात्मक रिश्ता बनाते हैं। सोशल मीडिया पर आकर्षक प्रोफाइल के जरिए दोस्ती की जाती है। लगातार बातचीत के बाद सामने वाले का भरोसा जीता जाता है और फिर खुद को निवेश विशेषज्ञ, कारोबारी या आर्थिक रूप से सफल व्यक्ति बताकर शेयर बाजार, क्रिप्टो या ट्रेडिंग में निवेश का लालच दिया जाता है। ठग पीड़ित को एक फर्जी ऐप या वेबसाइट पर अकाउंट खुलवाते हैं। शुरुआत में निवेश पर अच्छा मुनाफा दिखाकर भरोसा और मजबूत किया जाता है। इसके बाद जब पीड़ित रकम निकालना चाहता है तो टैक्स, जीएसटी, प्रोसेसिंग फीस या अन्य शुल्क के नाम पर अतिरिक्त रकम मांगी जाती है। अंत में ठग संपर्क तोड़कर गायब हो जाते हैं।

निवेश की सलाह मिले तो हों जाएं सतर्क

इंटरनेट मीडिया पर किसी अनजान व्यक्ति से दोस्ती होने के बाद यदि वह लगातार निवेश या ट्रेडिंग की सलाह दे तो सावधान हो जाएं। ठग अक्सर भावनात्मक बातचीत के जरिए विश्वास कायम करते हैं और फिर आर्थिक लाभ का लालच देते हैं। कम समय में दोगुना या तिगुना मुनाफा, निश्चित रिटर्न और बिना जोखिम निवेश जैसे दावे साइबर ठगी का संकेत हो सकते हैं। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड न करें और न ही उसके बताए खाते में रकम जमा करें। निवेश से पहले संबंधित कंपनी और प्लेटफार्म की विश्वसनीयता की स्वतंत्र रूप से जांच करें। ऑनलाइन बने रिश्ते के दबाव में बड़ी रकम ट्रांसफर करने से बचें।

देरी से बढ़ सकता है नुकसान, 1930 पर करें शिकायत

साइबर ठगी का शिकार होने पर घबराने के बजाय तुरंत कार्रवाई करना जरूरी है। यदि किसी व्यक्ति ने धोखे से आपके खाते से रकम ट्रांसफर करवा ली है तो सबसे पहले 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें। इसके साथ ही राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। बैंक को भी तत्काल सूचना देकर संदिग्ध लेन-देन की जानकारी दें। ठगी से जुड़े मोबाइल नंबर, सोशल मीडिया प्रोफाइल, चैट, स्क्रीनशॉट, बैंक ट्रांजेक्शन और ऐप से संबंधित सभी साक्ष्य सुरक्षित रखें। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति से आगे बातचीत करने या और रकम देने से बचें। विशेषज्ञों के अनुसार शुरुआती समय में शिकायत मिलने पर लेन-देन को रोकने या रकम को फ्रीज कराने की संभावना बढ़ सकती है। इसलिए साइबर ठगी की जानकारी मिलते ही बिना देरी के पुलिस और बैंक को सूचित करना चाहिए।

बिहार की 16 वर्षीय किशोरी की जबरन कराई शादी, सवा साल तक किया दुष्कर्म

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शाहपुरा क्षेत्र में 16 वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ सवा साल तक यौन शोषण का मामला सामने आया है। बिहार के सहरसा जिले की रहने वाली किशोरी घर छोड़ने के बाद पूर्णिया रेलवे स्टेशन पर बेसहारा हालत में मिली थी। वहां एक महिला-पुरुष मदद का झांसा देकर उसे अपने साथ भोपाल ले आए। यहां दोनों ने उसका अभिभावक बनकर 30 वर्षीय युवक से जबरन शादी करा दी। इसके बाद आरोपी युवक उसे अपने साथ रखकर लगातार दुष्कर्म करता रहा।

मामला तब उजागर हुआ, जब विवाद के बाद किसी तरह आरोपी के चंगुल से निकलकर किशोरी शनिवार को शाहपुरा थाने पहुंची और आपबीती पुलिस को सुनाई। पुलिस के अनुसार, किशोरी मार्च 2025 में किसी बात से नाराज होकर अपने घर से निकल गई थी। वह अपनी बहन के पास जाना चाहती थी, लेकिन गलत ट्रेन में बैठ गई और पूर्णिया रेलवे स्टेशन पहुंची, जहां गांव के ही परिचित एक महिला और पुरुष मिले। दोनों ने उसे अपने साथ चलने और रहने का भरोसा दिलाया। बाद में वे उसे जबरन अपने साथ भोपाल ले आए। यहां पहुंचने के बाद महिला और पुरुष उसे शाहपुरा स्थित गरीबों के लिए बने बहुमंजिला आवास में ले गए। यहां उसकी मुलाकात 30 वर्षीय युवक से कराई गई। आरोप है कि दोनों ने किशोरी के माता-पिता बनकर उसकी जबरन शादी करा दी। पुलिस को आशंका है कि इस सौदे के एवज में महिला-पुरुष ने रुपये भी लिए थे। युवक कांच फिटिंग का काम करता है। आरोप है कि उसने किशोरी को कमरे में बंधक बनाकर रखा और सवा साल तक उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया।

आरोपियों ने पुलिस के सामने दोहराया वारदात का पूरा सीक्वेंस

पैदल आए और ताबड़तोड़ चला दीं गोलियां

भोपाल। दोपहर मेट्रो

ऐशबाग के बहुचर्चित हेमंत फिलेमोन और शकुंतला बारीक दोहरे हत्याकांड की जांच में जुटी विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अहम कार्रवाई की। मुख्य आरोपियों श्रीकांत और शशिकांत चिचलिया से घटनास्थल पर क्राइम सीन रीक्रिएट कराया गया। हत्या में उपयोग पिस्टल उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क से जुड़े आरोपी संदीप गुर्जर को आगर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को गिरफ्तार किए गए अरुण गुर्जर से पूछताछ में संदीप गुर्जर का नाम सामने आया था। जांच में पता चला कि संदीप ने सुसनेर क्षेत्र के एक हथियार तस्कर के माध्यम से श्रीकांत और शशिकांत को दो अवैध पिस्टल उपलब्ध कराई थीं। पूछताछ में संदीप ने यह बात स्वीकार भी की है। एसआईटी की जांच में यह भी सामने आया है कि हथियार सप्लाई करने वाला मुख्य तस्कर फिलहाल राजस्थान की एक जेल में बंद है। पुलिस उसे प्रोडक्शन वारंट पर भोपाल लाकर पूछताछ करेगी, ताकि अवैध हथियारों के पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। पुलिस रिमांड पर चल रहे श्रीकांत और शशिकांत चिचलिया को कड़ी सुरक्षा के बीच ऐशबाग स्थित घटनास्थल ले जाया गया, जहां दोनों से वारदात का क्राइम सीन रीक्रिएट कराया गया। जांच अधिकारियों के सामने आरोपियों ने हत्या की पूरी घटनाक्रम को क्रमवार बताया। आरोपियों के अनुसार वारदात की रात श्रीकांत का बेटा हृदय उन्हें कार से सुभाष नगर ओवरब्रिज तक छोड़कर गया था। वहां से दोनों पैदल हेमंत फिलेमोन के घर पहुंचे। श्रीकांत ने पुलिस को बताया कि उसने सबसे पहले हेमंत फिलेमोन पर लगातार दो गोलियां चलाईं।

मप्र की पंचायतों को नई जिम्मेदारी

मातृ-शिशु मौत नहीं हुई तो अब मिलेगा एक लाख का पुरस्कार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधारने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने पहली बार पंचायतों की भूमिका को सीधे स्वास्थ्य परिणामों से जोड़ते हुए 'सुमन पंचायत' पहल शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाना और ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देना है।

नई व्यवस्था के तहत पंचायतें आशा कार्यकर्ता, एएनएम और स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर काम करेंगी। गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन, नियमित स्वास्थ्य जांच, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं का समय पर रेफरल, संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करना, नवजात शिशुओं की देखभाल और टीकाकरण जैसी जिम्मेदारियां पंचायतों की निगरानी में पूरी की जाएंगी। इसके साथ ही गांवों को खसरा-रूबेला मुक्त बनाने पर भी विशेष जोर रहेगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अनुसार यदि किसी पंचायत में पूरे एक वर्ष तक मातृ मृत्यु, रोकी जा सकने वाली शिशु मृत्यु और खसरा-रूबेला का एक भी मामला सामने नहीं आता है, तो उस पंचायत को 'सुमन पंचायत' घोषित किया जाएगा। ऐसी पंचायत को प्रोत्साहन स्वरूप एक लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। मिशन संचालक डॉ. सलोनी सिडाना ने इस पहल के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

सुमन पंचायत' बनने की तीन शर्तें

-गर्भावस्था, प्रसव और प्रसव के बाद होने वाली जटिलताओं से एक भी मातृ मृत्यु नहीं।
-पांच वर्ष तक के बच्चों में रोकी जा सकने वाली एक भी मृत्यु नहीं।
-पूरे वर्ष खसरा-रूबेला का एक भी मामला नहीं।

बैरसिया थाना क्षेत्र के ललरिया गांव का मामला

दुकान के बाहर खेल रही मासूम सड़क पर गिरी एसयूवी ने 10 फीट घसीटा, मौके पर ही मौत

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बैरसिया थाना क्षेत्र के ललरिया गांव में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन वर्षीय मासूम की जान चली गई। नाना के साथ चॉकलेट और बिस्किट लेने दुकान पहुंची बच्ची खेलते-खेलते सड़क पर गिर गई। उसी समय पास में खड़ी एक एसयूवी का चालक वाहन लेकर आगे बढ़ा। बच्ची वाहन के सामने होने के बावजूद चालक को दिखाई नहीं दी और वह एसयूवी के नीचे आ गई। वाहन उसे करीब 10 फीट तक घसीटता हुआ ले गया। इसके बाद पिछले पहिए के सिर पर चढ़ जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पूरी घटना दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। पुलिस के अनुसार अर्जुनखेड़ी निवासी सोहेल खान शासकीय

स्कूल झिकरिया खुर्द में शिक्षक हैं। उनकी ससुराल ललरिया गांव में है। रविवार को अवकाश होने के कारण वह पत्नी, बेटे और तीन वर्षीय बेटी जूना खान के साथ ससुराल आए थे। दोपहर करीब ढाई बजे जूना के नाना उसे और परिवार की दो अन्य बच्चियों को गांव की एक दुकान पर चॉकलेट और बिस्किट दिलाने ले गए थे। नाना दुकानदार से सामान लेने और बातचीत में व्यस्त हो गए, जबकि तीनों बच्चियां दुकान के बाहर खेल रही थीं। खेलते समय जूना अचानक सड़क की ओर बढ़ी और फिसलकर गिर गई। उसकी बड़ी बहन आगे निकल गई, जबकि जूना सड़क पर ही बैठी रह गई। इसी दौरान कुछ ही दूरी पर खड़ी एसयूवी का चालक वाहन लेकर आगे बढ़ा। बच्ची वाहन के बिल्कुल सामने थी, लेकिन उसकी कम ऊंचाई के कारण चालक की नजर उस पर नहीं पड़ी। देखते ही देखते एसयूवी बच्ची को अपने साथ करीब 10 फीट तक घसीटती हुई ले गई। इसके बाद पिछले पहिए के सिर के ऊपर से गुजरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर बैरसिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने हादसे में शामिल एसयूवी जब्त कर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

भेल ने एनएचएआई को भेजा नोटिस

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल-विदिशा राष्ट्रीय राजमार्ग 146 के चौड़ीकरण को लेकर भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के बीच जमीन के मुआवजे को लेकर मामला चल रहा है।

इसके मद्देनजर भेल प्रबंधन ने एनएचएआई को एक आधिकारिक नोटिस भेजकर चेतावनी दी है कि पिपलानी स्थित विवादित जमीन पर भेल का मालिकाना हक है। इस जमीन पर जबलपुर हाईकोर्ट ने पहले से ही भेल के पक्ष में स्थगन आदेश दे रखा है। भेल प्रबंधन का कहना है कि जब तक मामला कोर्ट में लंबित है, तब तक वहां कोई भी निर्माण कार्य गैर-कानूनी होगा। सीटू यूनियन के कार्यवाहक महामंत्री दीपक गुप्ता ने कहा कि एनएचएआई को सिर्फ सड़क चौड़ीकरण के लिए जगह दी थी, न कि किसी अन्य निर्माण कार्य के लिए। उन्होंने कहा यदि इस भूमि का उपयोग किसी दूसरे काम के लिए किया तो भेल कर्मचारी उग्र आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

वहीं इस मामले में भेल के पीआरओ उपेंद्र सिंह ने कहा कि एनएचएआई को पत्र भेजा जा चुका है, फिलहाल चौड़ीकरण के अलावा किसी अन्य निर्माण की आधिकारिक जानकारी नहीं है, लेकिन उचित मुआवजे को लेकर एनएचएआइ से बातचीत चल रही है।

मेट्रो एंकर

नगर निगम में नई व्यवस्था लागू, अब मैनुअल फाइलें पूरी तरह बैन

भोपाल में बिल्डिंग परमीशन के लिए ऑनलाइन आवेदन ही मान्य

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में कॉलोनी विकास और भवन अनुज्ञा से जुड़े मामलों के त्वरित निराकरण के लिए नगर निगम ने प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने इंदौर और उज्जैन नगर निगम की तर्ज पर कॉलोनी विकास, निरीक्षण और प्रवर्तन के लिए टीम गठित की गई है।

नए आदेश के तहत मध्य प्रदेश नगर पालिका कॉलोनी विकास नियम-2021 के अंतर्गत अपर आयुक्त और उपायुक्तों को विधानसभावार नोडल अधिकारी बनाकर मुख्य नगर निवेशक (चीफ सिटी प्लानर) के कई अधिकार सौंप दिए गए हैं। प्रत्येक विधानसभा के संबंधित कार्यपालन यंत्री (नगर निवेशक) को कॉलोनी विकास और निरीक्षण की जिम्मेदारी दी गई है। उनका दायित्व होगा कि स्वीकृत कॉलोनियों का विकास नियमानुसार हो तथा अवैध कॉलोनियों के निर्माण पर निगरानी रखी जाए। साथ ही

स्पष्ट कर दिया गया है कि अब भवन अनुज्ञा से संबंधित सभी प्रकरण केवल ऑनलाइन माध्यम से ही संचालित होंगे। ऑफलाइन अथवा मैनुअल फाइलों के संचालन पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। इसके तहत गठित टीम कॉलोनी विकास से जुड़े प्रकरणों की जांच, निरीक्षण, अनुमतियों की प्रक्रिया, अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध कार्रवाई और राजस्व से जुड़े मामलों का समन्वय करेगी। नई व्यवस्था के बाद कॉलोनी विकास, निरीक्षण और अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध कार्रवाई की जवाबदेही विधानसभा स्तर पर तय होगी। इससे प्रकरणों के निराकरण में तेजी आने की उम्मीद है।

सभी जोनों के उपयंत्री अपने-अपने वार्डों का भवन निरीक्षक बने

आदेश के अनुसार 223 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले आवासीय एवं व्यावसायिक भवनों की अनुज्ञा और पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार मुख्य नगर निवेशक को दिया गया है। 167 से 223 वर्गमीटर तक के मामलों का निराकरण नगर निवेशक (कार्यपालन यंत्री) तथा 167 वर्गमीटर तक के प्रकरण सहायक यंत्री (भवन अधिकारी) देखेंगे। सभी जोनों के उपयंत्रियों को अपने-अपने वार्डों में भवन निरीक्षक बनाया गया है। इसके अलावा अपर आयुक्त और उपायुक्त को मैरिज गार्डन के स्थायी एवं अस्थायी लाइसेंस जारी करने तथा कॉलोनी विकास नियम-2021 के तहत सक्षम प्राधिकारी के अधिकार दिए गए हैं। अवैध कॉलोनियों के सर्वेक्षण के लिए अपर आयुक्त को 10 लाख रुपये तक की प्रशासनिक स्वीकृति देने की वित्तीय शक्ति भी सौंपी गई है।

एमपी के सरकारी स्कूलों में बड़ी लापरवाही : वितरण में राजधानी भोपाल सबसे पीछे, ग्वालियर-इंदौर में भी बुरा हाल

8.5 लाख बच्चों को नहीं मिली एक भी किताब, सत्र शुरू हुए बीते 3 महीने

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हुए करीब साढ़े तीन महीने बीत चुके हैं, लेकिन लाखों विद्यार्थियों तक अब भी पाठ्यपुस्तकें नहीं पहुंच सकी हैं। राज्य शिक्षा केंद्र की समीक्षा बैठक में प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार पहली से आठवीं कक्षा तक के करीब 8.5 लाख विद्यार्थी ऐसे हैं, जिन्हें अब तक एक भी पाठ्यपुस्तक नहीं मिली।

वहीं 27 लाख से अधिक विद्यार्थियों को केवल कुछ विषयों की किताबें ही उपलब्ध हो सकी हैं। इससे बच्चों की नियमित पढ़ाई प्रभावित हो रही है और शिक्षक भी बिना पाठ्यपुस्तकों के शिक्षण कार्य कराने को विवश हैं। निर्देशित किए गए हैं कि जिन जिलों में वितरण लंबित है, वहां जल्द से जल्द सभी विद्यार्थियों तक पाठ्यपुस्तकें पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि शैक्षणिक गतिविधियां बिना किसी बाधा के संचालित हो सकें।

एमपी के सरकारी स्कूलों में सत्र शुरू होने के बाद भी किताबों का टोटा

निगम ने भेजीं 97% किताबें, पर विद्यालय स्तर पर लापरवाही

रिपोर्ट के मुताबिक मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम ने पहली से आठवीं कक्षा तक की लगभग 97 प्रतिशत पाठ्यपुस्तकें जिलों को उपलब्ध करा दी हैं। इसके बावजूद विद्यालय स्तर पर वितरण में गंभीर लापरवाही सामने आई है। राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिला परियोजना समन्वयकों को निर्देश दिए हैं कि वे वितरण की नियमित समीक्षा करें, सभी विद्यार्थियों तक सभी विषयों की पुस्तकें पहुंचाना सुनिश्चित करें और शिक्षा पोर्टल 3.0 पर इसकी जानकारी दर्ज करें।

15 अप्रैल तक पूरा होना था वितरण

स्कूल शिक्षा विभाग ने नए सत्र के साथ ही एक अप्रैल से पाठ्यपुस्तकों का वितरण शुरू कर दिया था। विभागीय योजना के अनुसार 15 अप्रैल तक सभी विद्यार्थियों को सभी विषयों की किताबें उपलब्ध करा दी जानी थीं। इसके बाद करीब डेढ़ महीने का ग्रीष्मकालीन अवकाश भी रहा और 16 जून से स्कूल दोबारा खुल गए। इसके बावजूद जुलाई के मध्य तक भी वितरण प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। 15 जुलाई तक की समीक्षा रिपोर्ट में यह स्थिति सामने आई है।

भोपाल सबसे पीछे, बड़े शहरों की स्थिति भी चिंताजनक

पाठ्यपुस्तक वितरण में भोपाल जिला भी पीछे है। जिले में पहली से आठवीं तक 63,890 विद्यार्थियों का नामांकन है। इनमें केवल 26,854 विद्यार्थियों (42 प्रतिशत) को सभी किताबें मिली हैं। 16,345 विद्यार्थियों को कुछ विषयों की किताबें मिली हैं, जबकि 20,691 विद्यार्थियों (करीब 32 प्रतिशत) को अब तक एक भी पुस्तक नहीं मिली। इसी तरह ग्वालियर में 20,063, इंदौर में 19,456 और जबलपुर में 18,242 विद्यार्थी अभी भी पाठ्यपुस्तकों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

इन जिलों के विद्यार्थियों को नहीं मिली पुस्तकें

शिवपुरी	30,581
खरगोन	24,320
छतरपुर	23,937
गुना	23,909
सागर	23,909
धार	23,603
झाबुआ	23,688
मंडला	23,111
मुरैना	22,755
बड़वानी	21,345

मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के तहत काटे गए थे हजारों पेड़

धार में 1.90 करोड़ खर्च कर लगाए गए पौधे सूखे, भरपाई के लिए किया गया था प्लांटेशन

धार, दोपहर मेट्रो

धार जिले के सरदारपुर वन परिक्षेत्र की कौद बीट के ग्राम शेरगढ़ में मेट्रो रेल परियोजना के तहत काटे गए पेड़ों की भरपाई के लिए किया गया वृक्षारोपण सवालों के घेरे में है। वन विभाग ने करीब तीन महीने पहले 30.178 हेक्टेयर क्षेत्र में 30,178 पौधे लगाए थे, लेकिन अब इनमें से हजारों पौधे सूख चुके हैं। कई जगह पौधों का नामोनिशान तक नहीं है। जहां पौधे लगाए गए थे, वहां अब सिर्फ सूखे डंठल दिखाई दे रहे हैं।

इस वृक्षारोपण पर करीब 1 करोड़ 91 लाख 77 हजार रुपए खर्च किए गए थे। इसका उद्देश्य मेट्रो रेल परियोजना में कटे पेड़ों की भरपाई करना और क्षेत्र में हरियाली बढ़ाना था। लेकिन मौजूदा स्थिति योजना की सफलता पर सवाल खड़े कर रही है।

कई जगह सिर्फ सूखे डंठल बचे

मौके पर बड़ी संख्या में पौधे सूखे मिले। कई स्थानों पर पौधों का अस्तित्व तक नहीं दिख रहा है। इससे यह सवाल उठ रहा है कि पौधारोपण के बाद उनकी देखभाल और निगरानी कितनी गंभीरता से की गई।

सिर्फ पौधे लगाना काफी नहीं

विशेषज्ञों के अनुसार, वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं होता। उनकी नियमित सिंचाई, सुरक्षा और देखभाल भी उतनी ही जरूरी होती है। यदि पौधारोपण के बाद रखरखाव नहीं किया जाए, तो करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद योजना का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता। शेरगढ़ का यह मामला भी इसी ओर इशारा करता है।

रेंजर से नहीं मिला कोई जवाब

इस मामले में सरदारपुर वन परिक्षेत्र के रेंजर शैलेंद्र सोलंकी से पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिल सका।

सरकारी खर्च और निगरानी पर सवाल

सरकार हर साल पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाती है। ऐसे में यदि कटे पेड़ों की भरपाई के लिए लगाए गए हजारों पौधे शुरुआती तीन महीनों में ही सूख जाएं, तो योजनाओं की निगरानी और जवाबदेही पर सवाल उठना स्वाभाविक है। वृक्षारोपण अभियान की सफलता केवल पौधे लगाने से नहीं, बल्कि उनके जीवित रहने से तय होती है। यदि शुरुआती महीनों में ही बड़ी संख्या में पौधे नष्ट हो जाएं, तो करोड़ों रुपए खर्च करने का उद्देश्य अधूरा रह जाता है।

खेती बनेगी कमाई का सबसे बड़ा जरिया!

सीएम का किसानों से सीधा संवाद, 6 संकल्पों के साथ बदलेगी गांवों की तस्वीर

धार, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बलराम कृषि महोत्सव के तहत झाबुआ से प्रदेशभर के किसानों से ऑनलाइन संवाद करते हुए खेती को अधिक लाभकारी और आधुनिक बनाने का रोडमैप सामने रखा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि किसानों की आय में स्थायी वृद्धि करना है। इसके लिए प्राकृतिक खेती, आधुनिक तकनीक, जल संरक्षण, पशुपालन और कृषि प्रसंस्करण को एक साथ बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते मौसम और कम वर्षा की आशंका को देखते हुए प्रशासन को किसानों की हर संभव मदद के लिए पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि किसानों को तीन लाख रुपये तक का कृषि ऋण शून्य प्रतिशत ब्याज पर उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही मात्र पांच रुपये में कृषि बिजली कनेक्शन दिए जा रहे हैं। डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए 40 लाख रुपये तक की परियोजनाओं पर 33 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने किसानों से वैज्ञानिक सलाह, आधुनिक तकनीक और प्राकृतिक खेती अपनाकर खेती की लागत घटाने तथा उत्पादन बढ़ाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्राकृतिक खेती अभियान को प्रदेश में तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत झाबुआ जिले में 50 कृषि सखियों का चयन किया गया है। जिले में 3,125 एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की जा रही है और किसानों की फसलों का प्रमाणीकरण भी कराया गया है।

उन्होंने बताया कि एक जिला-एक उत्पाद योजना के तहत झाबुआ के कड़कनाथ को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान दिलाई जा रही है। वर्ष 2025 में कड़कनाथ पालन से एक हजार से अधिक नए हितग्राही जुड़े हैं।

कपास से उद्योग और टमाटर से बढ़ेगी किसानों की कमाई

मुख्यमंत्री ने बताया कि खरीफ-2026 में झाबुआ जिले में 23,230 हेक्टेयर क्षेत्र में कपास की बुवाई हो चुकी है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 16 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि धार के बदनावर स्थित पीएम मित्र पार्क से कपास उत्पादक किसानों को खेत से कारखाने तक की सुविधा मिलेगी, जिससे आय और रोजगार दोनों बढ़ेंगे। उन्होंने पेटलावद की टमाटर प्रसंस्करण इकाई का उल्लेख करते हुए कहा कि जिले में 2,812 हेक्टेयर में टमाटर की खेती हो रही है और लगभग 1.68 लाख मीट्रिक टन उत्पादन हो रहा है। यहां टमाटर सॉस, केचअप और डिहाइड्रेटेड टमाटर का उत्पादन किया जा रहा है। झाबुआ का टमाटर अब राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली सहित कई राज्यों तक पहुंच रहा है।

कागजों में सिमटा भूमि विकास नियम

मास्टर प्लान के इंतजार में अटके भोपाल-इंदौर और ग्वालियर जैसे कई बड़े शहर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में भले ही भूमि विकास नियम का मसौदा तैयार किया जा रहा हो, लेकिन शहरों का मास्टर प्लान बनाकर लागू होने के बाद ही भूमि का उपयोग निर्धारित किया जा सकेगा। दअरसल, भोपाल, इंदौर और ग्वालियर जैसे महानगरों का मास्टर प्लान अब तक नहीं बनाया जा सका है। मास्टर प्लान न होने से शहरों का अनियोजित विकास हो रहा है।

राज्य सरकार द्वारा हाल ही में लाए गए मध्य प्रदेश मेट्रोपालिटन रीजन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एक्ट के तहत बड़े शहरों के सुनियोजित विकास के लिए नए ड्राफ्ट तैयार किए जा रहे हैं, लेकिन मास्टर प्लान में एक बार जो लैंड यूज (आवासीय, व्यावसायिक, औद्योगिक या ग्रीन एरिया) तय हो जाता है, उसे बिना वैधानिक सरकारी प्रक्रिया के बदलना संभव नहीं होता है। यही वजह है कि मध्य प्रदेश में मास्टर प्लान लागू होने के बाद ही भूमि का वास्तविक उपयोग (लैंड यूज) तय हो सकेगा। इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर के मास्टर प्लान की समय अवधि 2021 में समाप्त हो गई थी।

वर्ष 2047 की अनुमानित आबादी के आधार पर मास्टर प्लान तैयार करने का दावा

भोपाल के जिस मास्टर प्लान (वर्ष 2031) पर दावे-आपत्तियां सुनी गई थीं, उसे फिर नए सिरे से तैयार किया जाएगा। सरकार का दावा है कि नया मास्टर प्लान वर्ष 2047 की अनुमानित आबादी के आधार पर तैयार होगा। भोपाल शहर के जनप्रतिनिधियों ने पुराने मास्टर प्लान के कई प्रविधानों पर असहमति जताते हुए भविष्य के लिए सुझाव भी दिए थे। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने नए बिंदुओं और प्राप्त सुझावों के आधार पर नया मास्टर प्लान बनाने की बात कही लेकिन इस बात को भी लंबा समय हो गया है। मास्टर प्लान में देरी से अवैध कालोनियों का कारोबार फल-फूल रहा है।

बीजेपी ने उपचुनाव के लिए शक्ति केन्द्रों पर दो-दो दिग्गजों को दी दतिया की जिम्मेदारी

मंत्री-विधायक रहे दिग्गज 5-5 बूथ संभालेंगे

धार, दोपहर मेट्रो

बीजेपी ने दतिया विधानसभा के उपचुनाव को जीतने के लिए एक तरफ कार्यकर्ताओं को साधने और दूसरी तरफ प्रचार अभियान के लिए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ महेन्द्र सिंह से लेकर तमाम मंत्रियों और सीनियर लीडर्स को जिम्मेदारी दी है वहीं, चुनाव जीतने के लिए माइक्रो मैनेजमेंट पर पूर्व मंत्रियों, पूर्व विधायकों से लेकर संगठन के पदाधिकारियों को शक्ति केन्द्रों की जिम्मेदारी दी है।

बीजेपी ने पूर्व मंत्रियों, पूर्व विधायकों और वरिष्ठ नेताओं सहित अनुभवी कार्यकर्ताओं को अलग-अलग शक्ति केंद्रों की जिम्मेदारी सौंप दी है। प्रत्येक शक्ति केंद्र में एक प्रभारी और एक संगठक नियुक्त किया गया है। एक शक्ति केंद्र के अंतर्गत चार से छह बूथ शामिल किए गए हैं, जिनके संचालन, समन्वय और संगठनात्मक गतिविधियों की जिम्मेदारी इन्हीं नेताओं पर रहेगी। यानी औसतन 5 बूथों पर दो दिग्गजों को कमान दी गई है।

अनुभवी नेताओं को दी शक्ति केन्द्रों की कमान

जिला भाजपा की ओर से जारी सूची के अनुसार दतिया नगर, दतिया ग्रामीण, बड़ौनी, भांडेर, इंदरगढ़ और सेंवढ़ा मंडलों के शक्ति केंद्रों के लिए प्रभारी और संगठकों की नियुक्ति की गई है। भाजपा ने चुनावी रणनीति के तहत वरिष्ठ नेताओं के अनुभव का लाभ लेने का फैसला किया है। कई पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक और संगठन के अनुभवी पदाधिकारियों को मैदान में उतारा गया है ताकि बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बना रहे, मतदाता संपर्क अभियान प्रभावी ढंग से चले और मतदान के दिन बूथ प्रबंधन मजबूत रहे। शक्ति केंद्र भाजपा के संगठन की महत्वपूर्ण इकाई मानी जाती है। प्रत्येक शक्ति केंद्र में सामान्यतः चार से छह बूथ शामिल रहते हैं। इन बूथों पर संगठनात्मक गतिविधियों, मतदाता संपर्क, कार्यकर्ता समन्वय और चुनावी तैयारियों की निगरानी शक्ति केंद्र प्रभारी और संगठक करेंगे।

भेल ने एनएचएआई को भेजा नोटिस,

भोपाल में विवादित जमीन पर निर्माण रोकने की चेतावनी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल-विदिशा राष्ट्रीय राजमार्ग 146 के चौड़ीकरण को लेकर भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के बीच जमीन के मुआवजे को लेकर मामला चल रहा है। इसके मद्देनजर भेल प्रबंधन ने एनएचएआई को एक आधिकारिक नोटिस भेजकर चेतावनी दी है कि पिपलानी स्थित विवादित जमीन पर भेल का मालिकाना हक है।

इस जमीन पर जबलपुर हाईकोर्ट ने पहले से ही भेल के पक्ष में स्थगन आदेश दे रखा है। भेल प्रबंधन का कहना है कि

जब तक मामला कोर्ट में लंबित है, तब तक वहां कोई भी निर्माण कार्य गैर-कानूनी होगा। सीटू यूनियन के कार्यवाहक महामंत्री दीपक गुप्ता ने कहा कि एनएचएआई को सिर्फ सड़क चौड़ीकरण के लिए जगह दी थी, न कि किसी अन्य निर्माण कार्य के लिए। उन्होंने कहा यदि इस भूमि का उपयोग किसी दूसरे काम के लिए किया तो भेल कर्मचारी उग्र आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

मेट्रो एंकर नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट खुलेंगे, दुर्लभ संयोग में 8-10 लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद

7 साल बाद सावन की तीसरी सवारी और नागपंचमी साथ

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में इस बार सावन में दुर्लभ संयोग बनने जा रहा है। 17 अगस्त को सावन की तीसरी सवारी और नागपंचमी एक ही दिन पड़ रही है। इसी दिन साल में सिर्फ एक बार खुलने वाले नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट भी श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। दोनों बड़े आयोजन एक साथ होने से महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। इसे देखते हुए मंदिर प्रशासन विशेष तैयारियों में जुट गया है।

2019 के बाद फिर बना संयोग- करीब सात साल बाद फिर ऐसा संयोग बन रहा है, जब सावन की तीसरी सवारी और नागपंचमी एक ही दिन होगी। इससे पहले 2019 में भी ऐसा ही संयोग बना था। उस समय भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकाल की सवारी और नागचंद्रेश्वर के दर्शन के लिए उज्जैन पहुंचे थे। महाकालेश्वर मंदिर के शिखर पर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट साल में केवल एक बार नागपंचमी पर 24 घंटे के लिए खोले जाते हैं। इस दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इसी दिन सावन के तीसरे सोमवार की महाकाल की शाही सवारी भी निकलेगी, जिससे श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की संभावना है। महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि तीसरी सवारी और नागपंचमी एक ही दिन होने के कारण दर्शन और भीड़ प्रबंधन के लिए अलग से बैठक बुलाई जाएगी। बैठक में पुलिस, प्रशासन, मंदिर समिति के अधिकारी और सदस्य शामिल होंगे। श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष योजना बनाई जाएगी।

नागचंद्रेश्वर की प्रतिमा है दुर्लभ

सावन शुक्ल पक्ष की पंचमी को नागपंचमी का पर्व मनाया जाता है। इसी दिन नागचंद्रेश्वर मंदिर के दर्शन का अवसर मिलता है। मंदिर में स्थापित प्रतिमा 11वीं शताब्दी की मानी जाती है। इसमें फन फैलाए नाग पर भगवान शिव और माता पार्वती विराजमान हैं। यह प्रतिमा अपनी तरह की दुर्लभ मानी जाती है और वर्षभर में केवल एक दिन ही श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए उपलब्ध रहती है।

7 साल बाद फिर से बना दुर्लभ संयोग

- 2026-17 अगस्त सावन का तीसरा सोमवार, नागपंचमी और बाबा महाकाल की भव्य सवारी एक ही दिन।
- 2023- 21 अगस्त अधिकमास के कारण सावन के सातवें सोमवार और नागपंचमी का संयोग बना।
- 2019-5 अगस्त सावन के तीसरे सोमवार और नागपंचमी का दुर्लभ संयोग बना था।

प्रतिभा पलायन

जब कोई रॉकेट अंतरिक्ष की ओर उड़ान भरता है, तो दुनिया उसकी गति, ऊंचाई और सफलता को देखती है। लेकिन उस उड़ान के पीछे अनगिनत प्रयोगशालाओं में बीते वर्षों की तपस्या, असंख्य असफलताओं से सीखे गए सबक और वैज्ञानिकों की निस्वार्थ प्रतिबद्धता छिपी होती है। भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर तिरंगा पहुंचाकर और कम लागत में विश्वस्तरीय अंतरिक्ष मिशनों को सफल बनाकर जो प्रतिष्ठा अर्जित की है, उसकी नींव मशीनों ने नहीं, बल्कि प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों ने रखी है। ऐसे में यदि वही प्रतिभाएं धीरे-धीरे संस्थान से दूर जाने लगें, तो चिंता केवल मानव संसाधन की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सामर्थ्य की भी होती है। इसी चिंता के बीच अंतरिक्ष विभाग ने इसरो के वैज्ञानिकों के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति और इस्तीफे के नियमों को अधिक कठोर बनाने का निर्णय लिया है। अब प्रमुख केंद्रों के निदेशक अपने स्तर पर ग्रुप-ए वैज्ञानिकों के इस्तीफे स्वीकार नहीं कर सकेंगे। यह व्यवस्था इसलिए बनाई गई है ताकि महत्वपूर्ण परियोजनाओं से जुड़े विशेषज्ञ अचानक संस्थान न छोड़ें और राष्ट्रीय महत्व के मिशनों की निरंतरता बनी रहे। पहली नजर में यह निर्णय तर्कसंगत दिखाई देता है। आखिर गगनयान, पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण यान, अगली पीढ़ी के संचार उपग्रह और भविष्य के भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसी परियोजनाएं किसी एक प्रयोग या एक वर्ष की तैयारी का परिणाम नहीं, बल्कि दशकों की संस्थागत स्मृति और विशेषज्ञता की उपज हैं। फिर भी एक प्रश्न अनिवार्य रूप से सामने आता है- क्या किसी प्रतिभा को नियमों की दीवार खड़ी कर रोका जा सकता है? इतिहास बताता है कि महान संस्थान प्रतिबंधों से नहीं, अवसरों से मजबूत बनते हैं। किसी वैज्ञानिक का इस्तीफा केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं होता, बल्कि अक्सर उस वातावरण का संकेत होता है जहां उसे अपनी क्षमता के अनुरूप अवसर, स्वतंत्रता या सम्मान नहीं मिल पा रहा होता। बीते कुछ वर्षों में भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया है। इसके साथ ही अनेक स्टार्टअप और निजी कंपनियां उभरकर सामने आई हैं। अंतरिक्ष की दौड़ में जीत उन्हीं देशों की होगी जो केवल नए रॉकेट नहीं बनाएंगे, बल्कि अपने वैज्ञानिकों को यह भरोसा भी देंगे कि उनकी कल्पनाओं को उड़ान देने के लिए सबसे उपयुक्त आकाश अपने ही देश में मौजूद है।

अयोध्या मंदिर से पहले भी बड़े मंदिरों में रहे हैं दान अधिकार चोरी के विवाद

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में दान चढ़ावे की चोरी पर भारी राजनीतिक बवाल हो रहा है। निश्चित रूप से इस तरह का गंभीर अपराध पहले नहीं हुआ, क्योंकि इस बार सरकार के सहयोग और विश्व हिन्दू परिषद तथा राष्ट्रीय स्वयं सेयक संघ से जुड़े लोग मंदिर की पूरी व्यवस्था चला रहे थे। कुछ आरोपी कर्मचारियों पर कानूनी कार्रवाई शुरू हुई है, लेकिन राजनीतिक या सामाजिक संगठन नेताओं के भ्रष्टाचार और अपराध की तरह व्यवस्थापकों को दंडित करने की आवाज उठा रहे हैं। संसद और सुप्रीम कोर्ट में यह बहस का मुद्दा बना रहेगा। अयोध्या के बाद बद्रीनाथ और वैष्णव देवी मंदिरों में भी चोरी के आरोप सार्वजनिक हुए हैं। असल में मंदिरों, मठों, आश्रमों अथवा मस्जिद -दरगाह, गुरुद्वारे, गिरिजा घरों जैसे विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पहले भी कई बार विवाद आते रहे हैं और कई मुकदमे आज तक अदालतों में चल रहे हैं। जहाँ वार्षिक आय करोड़ों रुपये होती है, वहाँ विवाद अक्सर जिन मुद्दों पर होते हैं उनमे चढ़ावे का नियंत्रण, दुकानों का आवंटन, पार्किंग और अन्य सेवा अनुबंध, मंदिर भूमि से आय, ट्रस्ट के निर्णय, दान की पारदर्शिता आदि होते हैं। खासकर दान चढ़ावे के धन, सोने चांदी की संपत्ति और अधिकार को लेकर पहले से कार्यरत लोग ही एक दूसरे पर आरोप लगाते या भंडाफोड़ करते हैं। अयोध्या मंदिर में भी पुराने कर्मचारी अथवा संगठन के लोगों ने बड़ी चोरी के राज खोलने शुरू किए हैं।

देश के प्रमुख मंदिरों के विवादों का रिकार्ड दिलचस्प है। ओडिशा पुरी के जगन्नाथ मंदिर में सेवायत (पुजारी परिवारों) और मंदिर प्रशासन के बीच अधिकारों को लेकर लंबे समय से विवाद रहे हैं।रथ यात्रा, पूजा-पद्धति, चढ़ावे और सेवा-अधिकार पर कई मामले उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँचे।वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर के सरकारी प्रबंधन, पुजारियों की भूमिका और पूजा के अधिकार को लेकर समय-समय पर विवाद हुए। परिसर (कॉरिडोर) परियोजना के दौरान भी कई याचिकाएँ दायर हुईं। वृंदावन के बाँके बिहारी मंदिर में गोस्वामी परिवारों के अधिकार, दर्शन व्यवस्था और मंदिर प्रशासन को लेकर अनेक मुकदमे चले। सर्वोच्च न्यायालय तक कई प्रशासनिक मुद्दे पहुँचे। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती कराने के अधिकार, पुजारियों की नियुक्ति और प्रशासनिक नियंत्रण को लेकर विवाद हुए हैं। मंदिरों में विवाद इन मुद्दों पर होते हैं - वंशानुगत पुजारी बनने का अधिकार , कौन पूजा कराएगा और किस समय। चढ़ावे और दक्षिणा का बँटवारा। मंदिर की दुकानों, ठेकों और अन्य आय का प्रबंधन , सरकारी ट्रस्ट बनाम पारंपरिक पुजारी परिवार , सेवायतों की नियुक्ति और हटाना। आम तौर पर पूजा का अधिकार ठेके पर नहीं दिया जाता। लेकिन कई मंदिरों में प्रसाद की दुकानें,पार्किंग, जूता-घर, कैंटीन, सफाई, सुरक्षा,अन्य व्यावसायिक सेवा इनका संचालन टेंडर या ठेके के माध्यम से होता है। मजेदार स्थिति यह है कि इन ठेकों को लेकर भी विवाद और मुकदमे होते हैं। इसी तरह साधुओं के कुछ आश्रमों के अधिकार पर खूनी संघर्ष और मुकदमे तक हुए हैं। पिछले वर्षों के दौरान देश के अनेक मंदिरों और मठों में महंतों की हत्या, उत्तराधिकार को लेकर गोलीबारी , साधुओं के गुटों में संघर्ष , मंदिर संपत्ति पर कब्ज़े के आरोप , दान और भूमि विवादों से जुड़ी आपराधिक घटनाएँ होती रही हैं । इनमें सबसे अधिक मामले उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड के बड़े मठों नाथ संप्रदाय के प्रमुख मठ , रामानुज, वैष्णव और अखाड़ों से जुड़े मठ तथा मंदिरों अथवा दक्षिण भारत के पद्मनाभस्वामी मंदिर , सबरीमला मंदिर और तिरुमाला मंदिर से जुड़े रहे हैं। अधिकांश घटनाएँ स्थानीय स्तर की रही हैं, जबकि कुछ मामलों में सीबीआई या एसआईटी जाँच भी हुई।

यदि प्राचीन इतिहास को देखें तो भारतीय उपमहाद्वीप में ईश्वर की उपासना मंदिरों से बहुत पहले से होती थी।सिंधु-सरस्वती सभ्यता (लगभग 2600 से 1900 ईसा पूर्व) में संगठित मंदिरों के स्पष्ट प्रमाण नहीं मिले हैं, हालांकि पूजा और धार्मिक प्रतीकों के साक्ष्य अवश्य मिले हैं। वैदिक काल 1500-600 ईसा पूर्व) में पूजा का मुख्य केंद्र यज्ञ था। उस समय स्थायी मंदिरों की परंपरा नहीं थी। देवताओं की आराधना यज्ञ वेदियों पर होती थी। लगभग तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से दूसरी शताब्दी ईस्वी के बीच मूर्ति-पूजा और देवालयों का विकास प्रारंभ हुआ।गुप्त काल (चौथी-छठी शताब्दी ईस्वी) को भारत में पत्थर के स्थायी हिंदू मंदिरों का स्वर्णकाल माना जाता है। इसी समय देवगढ़, भितरगाँव, उदयगिरि आदि के मंदिर बने।इसके बाद दक्षिण भारत में पल्लव, चोल, चालुक्य, राष्ट्रकूट और होयसाल शासकों ने विशाल मंदिरों का निर्माण कराया।मंदिर केवल पूजा-स्थल नहीं थे। वे समाज के बहुआयामी केंद्र थे। मुख्य रूप से ईश्वर की उपासना। शिक्षा (गुरुकुल एवं वेद पाठ) , कला, संगीत और नृत्य का संरक्षण , सामाजिक सभाएँ , दान एवं अन्नक्षेत्र , यात्रियों के विश्राम स्थल ,स्थानीय अर्थव्यवस्था के केंद्र माने जाते थे। कई बड़े मंदिरों के पास गाँव, कृषि भूमि, गौशालाएँ और शिल्पकारों का संरक्षण भी होता था। दक्षिण भारत के अनेक मंदिर अपने समय के सबसे बड़े आर्थिक संस्थानों में गिने जाते थे।राजा मंदिर बनवाता था, भूमि दान देता था और सुरक्षा देता था। दूसरी ओर, धार्मिक अनुष्ठान पुरोहितों या मठों के अधीन होते थे। इससे दो प्रकार के अधिकार विकसित हुए—धार्मिक अधिकार - पूजा कौन कराएगा, परंपरा क्या होगी, महंत या पुजारी कौन होगा। प्रशासनिक एवं आर्थिक अधिकार - दान, भूमि, आय और प्रबंधन किसके नियंत्रण में होगा।जब मंदिरों की संपत्ति बढ़ी, तब इन अधिकारों को लेकर विवाद भी बढ़ने लगे।

प्राचीन भारत में भी विवाद होते थे। ऐतिहासिक अभिलेखों और शिलालेखों से पता चलता है कि विभिन्न मठों और संप्रदायों के बीच पूजा-अधिकार को लेकर मतभेद होते थे। राजाओं को कभी-कभी मंदिर प्रशासन में हस्तक्षेप करना पड़ता था। मंदिरों की दान-भूमि और आय के प्रबंधन पर शाही आदेश जारी किए जाते थे।कई शिलालेखों में मंदिर अधिकारियों को हटाने या नए प्रबंधक नियुक्त करने का उल्लेख मिलता है।हालाँकि आधुनिक अर्थों में अदालतें नहीं थीं, इसलिए अधिकांश विवाद राजा, स्थानीय सभा (सभा/महासभा), ग्राम परिषद या धार्मिक परिषद द्वारा सुलझाए जाते थे।मध्यकाल में बड़े मठों और मंदिरों के पास विशाल संपत्ति हो गई। इससे महंत पद के उत्तराधिकार पर विवाद बढ़े। अलग-अलग धार्मिक संप्रदायों में नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा हुई।कुछ स्थानों पर हिंसक संघर्ष भी हुए। स्थानीय शासकों और धार्मिक संस्थाओं के बीच शक्ति-संतुलन का प्रश्न उत्पन्न हुआ। ब्रिटिश शासन के दौरानब्रिटिश सरकार ने देखा कि अनेक मंदिरों और धार्मिक संस्थाओं के पास बड़ी संपत्ति है। 19वीं शताब्दी में विभिन्न प्रांतों में धार्मिक बंदोबस्त और ट्रस्ट संबंधी कानून बनाए गए। धीरे-धीरे सरकार ने प्रत्यक्ष नियंत्रण कम किया और धार्मिक न्यासों तथा ट्रस्टों की व्यवस्था विकसित हुई।

स्वतंत्रता के बाद विभिन्न राज्यों ने मंदिर प्रबंधन के लिए कानून बनाए। इसके बाद विवादों का स्वरूप बदल गया। पारंपरिक पुजारी बनाम सरकारी ट्रस्ट।, वंशानुगत अधिकार बनाम आधुनिक प्रशासन , मंदिर की आय और संपत्ति का प्रबंधन तथा श्रद्धालुओं के अधिकार बनाम धार्मिक परंपरा।इसी प्रकार गुरुद्वारों में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और स्थानीय प्रबंधन, मस्जिदों में वक्फ बोर्ड और मुतवल्ली, चर्चों में डायोसीज़ और ट्रस्ट तथा कई मठों में महंत के उत्तराधिकार को लेकर भी विवाद हुए। इतिहासकारों का सामान्य मत है कि मंदिर मूलतः आध्यात्मिक और सामाजिक संस्थाएँ थे, लेकिन जैसे-जैसे उनके पास भूमि, दान, आर्थिक संसाधन और सामाजिक प्रभाव बढ़ा, वैसे-वैसे प्रबंधन, उत्तराधिकार और स्वामित्व के विवाद भी बढ़े। यह प्रवृत्ति केवल हिंदू मंदिरों तक सीमित नहीं रही; भारत और विश्व के लगभग सभी बड़े धार्मिक संस्थानों में किसी न किसी रूप में ऐसे विवाद देखने को मिलते हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

विभाजनकारी प्रवृत्ति ने खड़ी की लोकतंत्र के समक्ष गंभीर चुनौती

भूपेन्द्र शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

हाल के वर्षों में राजनीतिक विमर्श के गिरते स्तर, अविश्वास एवं विभाजनकारी प्रवृत्तियों ने इस जीवंत लोकतंत्र के सामने एक गंभीर चुनौती खड़ी की है। यह सामाजिक एवं राजनीतिक असंतुलन बहुआयामी कारणों की उपज है। ऐसे में, एक स्वस्थ और समरस समाज के निर्माण के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि हम पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर राजनीतिक शुचिता एवं सामूहिक सत्यनिष्ठा को अपनाएं...

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इसकी शक्ति केवल संविधान, संसद एवं न्यायपालिका में ही नहीं, बल्कि इसकी सामाजिक विविधता, सांस्कृतिक सहिष्णुता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों में भी निहित है, किंतु पिछले कुछ वर्षों में यह दिखा कि देश का राजनीतिक एवं सामाजिक वातावरण तनावपूर्ण, विभाजनकारीएवं असहिष्णु होता जा रहा है। राजनीतिक विमर्श में कटुता बढ़ी है, सामाजिक रिश्तों में अविश्वास दिखाई देता है तथा सार्वजनिक जीवन में संवाद की जगह आरोप-प्रत्यारोप ने ले ली है। यह स्थिति किसी एक कारण का परिणाम नहीं है, बल्कि अनेक राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवंव्यावहारिक कारकों के संयुक्त प्रभाव का परिणाम है। इस विषय को संतुलित दृष्टि से समझना आवश्यक है।

देश के राजनीतिक वातावरण के बिगड़ने का सबसे प्रमुख कारण राजनीतिक ध्रुवीकरण है। लोकतंत्र में विभिन्न विचारधाराओं का होना स्वाभाविक है, किंतु जब मतभेद शत्रुता में बदलने लगें, तो समस्या उत्पन्न होती है।आज अनेक राजनीतिक दल अपने समर्थकों को संगठित करने के लिए विरोधियों के प्रति तीखी भाषा और आक्रामक प्रचार का सहारा लेते हैं। इससे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वस्थ बहस के बजाय भावनात्मक संघर्ष का रूप ले लेती है। परिणामस्वरूप नागरिक भी विभिन्न राजनीतिक खेमों में बंट जाते हैं और एक-दूसरे के विचारों को सुनने या समझने की इच्छा कम हो जाती है।लोकतंत्र की सफलता केवल चुनाव जीतने में नहीं, बल्कि असहमति का सम्मान करने में भी निहित है। जब यह भावना क्षीण हो जाती है, तो राजनीतिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है।

डिजिटल युग ने संचार को आसान बनाया है, किंतु इसके कुछ नकारात्मक प्रभाव भी सामने आए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लोगों को अपनी बात रखने का अवसर देते हैं, लेकिन झूठे समाचार, जनश्रुतिएवं भ्रामक सूचनाओं का प्रसार तीव्रता से होता है।आमतौर पर देखा जाता है कि बिना सत्यापन के समाचार साझा कर दिए जाते हैं। कई बार धार्मिक, जातीय या राजनीतिक भावनाओं को भड़काने वाली सामग्री जान-बूझकर प्रसारित की जाती है। ऐसी सूचनाएं लोगों की भावनाओं को प्रभावित करती हैं तथा समाज में अविश्वास एवं तनाव को बढ़ाती हैं।इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया के एल्गोरिद्म प्रायः वही सामग्री दिखाते हैं, जो व्यक्ति पहले से पसंद करता है। इससे लोग केवल अपने विचारों से मेल खाने वाली सूचनाएं देखते हैं और वैकल्पिक दृष्टिकोणों से दूर हो जाते हैं। यह स्थिति सामाजिक एवं राजनीतिक ध्रुवीकरण का गहरीकरण करती है।

भारत विविधताओं का देश है, जहां अनेक धर्म, भाषाएंएवं जातीय समूह साथ रहते हैं। यह विविधता हमारी शक्ति है, लेकिन जब राजनीतिक लाभ के लिए पहचान आधारित राजनीति को अत्यधिक महत्व दिया जाता है, तो सामाजिक सौहार्द प्रभावित होता है।कई बार चुनावी राजनीति में विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका जैसे विषयों की अपेक्षा जाति और धर्म से जुड़े विषय प्रमुख हो जाते हैं। इससे विभिन्न समुदायों के बीच दूरी बढ़ती है। लोग स्वयं को पहले किसी जाति या समुदाय का सदस्य और बाद में राष्ट्र का नागरिक मानने लगते हैं, जैसा कि कई स्तयर पर समाज में यह प्रदर्शित हो भी रहा है।हालांकि पहचान आधारित राजनीति पूरी तरह नकारात्मक नहीं कही जा सकती, क्योंकि इससे वंचित समूहों को प्रतिनिधित्व भी मिलता है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब यह राजनीति सामाजिक न्याय के बजाय विभाजन का सूत्र, मंत्र, माध्यम बन जाती है।

स्वीकारें अपने-अपने दायित्व: राजनीतिक दलों को अल्पकालिक चुनावी लाभ के बजाय दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मर्यादित भाषा एवं सकारात्मक राजनीतिक संस्कृति आवश्यक है।तथ्यपरक पत्रकारिता को बढ़ावा दिया जाए तथा फेक न्यूज़ के विरुद्ध प्रभावी तंत्र विकसित किया जाए।देश की राजनीतिक एवं सामाजिक दशा बिगड़ने के पीछे कोई एक कारण नहीं है। इसे सुधारने के लिए आवश्याक है किसमाज, शासनिक एवं प्रशासनिक सभी स्तकरों पर अपने-अपने संवैधानिक कर्तव्योंकिो समझा जाए तथा उनका पालन किया जाए।?भारत का लोकतंत्र सशक्तु संस्थाओं, जागरूक नागरिकों एवं समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं पर आधारित है।आवश्यकता इस बात की है कि हम असहमति को स्वीकार करना सीखें, तथ्यों को महत्व दें, सामाजिक सद्भाव को प्राथमिकता दें तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करें। यदि राजनीति, मीडिया एवं समाज मिलकर सकारात्मक भूमिका निभाएं, तो देश का सामाजिक-राजनीतिक वातावरण अधिक स्वस्थ, समावेशी तथा रचनात्मक बन सकता है। यही भारत की लोकतांत्रिक परंपरा एवं भावी प्रगति के लिए उपयुक्त मार्ग है। सच की स्वींकार्यता एवं झूठ की अस्वीकार्यता सभी को एक स्वयर में करना होगी, तभी देश में सामाजिक समरसता एवं संतुलन की स्थितियां स्थायी रूप से निर्मित होंगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

रात में अचानक उठकर सांस लेने के लिए हांफना पड़े तो लें डॉक्टर की सलाह

दिनभर काम करने के बाद रात की अच्छी नींद शरीर और दिमाग दोनों के लिए जरूरी होती है। लेकिन यदि आपकी नींद अचानक सांस फूलने या घुटन महसूस होने के कारण टूट जाती है और आपको सांस लेने के लिए बैठना पड़ता है, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है। मेडिकल साइंस में इस स्थिति को पैरोक्सिस्मल नॉक्टर्नल डिस्पेनिया (Paroxysmal Nocturnal Dyspnea - PND) कहा जाता है। यह समस्या अक्सर हार्ट फेलियर, फेफड़ों की बीमारियों, ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया या शरीर में अतिरिक्त तरल पदार्थ जमा होने से जुड़ी हो सकती है। समय पर जांच और उपचार से इसके पीछे की बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार रात में सांस फूलना हर बार गंभीर बीमारी का संकेत नहीं होता, लेकिन यदि यह बार-बार होने लगे, अचानक घुटन महसूस हो, व्यक्ति को बैठकर सांस लेनी पड़े या इसके साथ सीने में दर्द, पैरों में सूजन या लगातार थकान भी हो, तो यह हृदय या फेफड़ों से जुड़ी समस्या का संकेत हो सकता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि हार्ट फेलियर में हृदय शरीर से पर्याप्त मात्रा में रक्त पंप नहीं कर पाता। लेटने पर शरीर में मौजूद अतिरिक्त तरल पदार्थ फेफड़ों की ओर पहुंच सकता है, जिससे गैस एक्सचेंज प्रभावित होता है और अचानक सांस फूलने लगती है। यदि यह समस्या लगातार बनी रहे तो डॉक्टर द्वारा ईसीजी, ईकोकार्डियोग्राफी, चेस्ट एक्स-रे, बीएनपी टेस्ट या अन्य जांच कराने की सलाह दी जा सकती है।

कई बार मरीज को ऐसा महसूस होता है जैसे हवा नहीं मिल रही हो। राहत पाने के लिए वह तुरंत बैठ जाता है, खिड़की खोलता है या खड़ा हो जाता है। यह लक्षण अक्सर कन्जेस्टिव हार्ट फेलियर, माइट्रल वाल्व डिजीज और क्रॉनिक किडनी डिजीज, स्लीप एपनिया या कुछ फेफड़ों की बीमारियों में देखा जा सकता है।स्लीप फाउंडेशन के मुताबिक जब हृदय पर्याप्त रक्त पंप नहीं कर पाता, तब लेटने के बाद शरीर का अतिरिक्त तरल फेफड़ों तक पहुंचने लगता है। इससे फेफड़ों में दबाव बढ़ता है और सांस लेने में कठिनाई होती है।

यह स्थिति कन्जेस्टिव हार्ट फेलियर से जुड़ी होती है और अमेरिका में करीब 2 प्रतिशत लोगों इससे प्रभावित होते हैं। यदि यह समस्या बार-बार हो रही है, तो स्वयं इलाज करने के बजाय जल्द से जल्द चिकित्सक से जांच कराना जरूरी है। सही समय पर जांच और उपचार न केवल लक्षणों को नियंत्रित कर सकता है बल्कि गंभीर जटिलताओं से भी बचा सकता है।

निशाना

मीठे बोल वचन गुम हो गए..!

रामकिशोर नाविक

बात विचार मिलन गुम हो गए
मीठे बोल वचन गुम हो गए
टच स्क्रीन संकेत हैं काबिज़
श्रध्दायुक्त नमन गुम हो गए
व्हाट्स एप पर मिला निमंत्रण
अनुनय भरे चलन गुम हो गए
उखड़े उखड़ से रहते हैं
हँसते हुये सजन गुम हो गए
डिस्को रॉक पॉप म्यूज़िक है
राग मल्हार यमन गुम हो गए
कटी फटी पोशाखें, तन के
पहरेदार बटन गुम हो गए
भाव शिल्प बिन, काव्य रच रहे
मात्रा भार बजन, गुम हो गए।

टेक्नो अपडेट

AI से बना 'अदृश्य' ड्रोन, आंखों के सामने उड़ता रहेगा लेकिन नजर नहीं आएगा

क्या आप ऐसे ड्रोन के बारे में सोच सकते हैं, जो आपकी आंखों के सामने उड़ रहा हो और आपको दिखाई ना दे? दरअसल नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के इंजीनियरों ने AI की मदद से एक ऐसा ड्रोन बनाया है, जो आपकी आंखों के सामने होते हुए भी आपको दिखेगा नहीं। सालों से ये इंजीनियर्स पारदर्शी या गिरगिट की तरह रंग बदलने वाली तकनीक बनाने की कोशिश में थे। अब इस टीम ने मोशन ब्लर की मदद से ऐसा ही खास ड्रोन बना लिया है। इस ड्रोन का नाम फैंटम ट्विस्ट है और अपने नाम के मुताबिक ही यह ड्रोन हवा में एक सेकंड में 25 बार घूमता है, जिसकी वजह से यह हवा में लगभग गायब सा लगता है। इसे आप पंखे की पंखड़ियों की तरह समझ सकते हैं, जो तेज चल रहे पंखे के साथ दिखाई नहीं पड़तीं।

किसी भी आम ड्रोन के पंखे घूमते हैं और उसकी बॉडी स्थिर रहती है, जिसकी वजह से उसे साफ-साफ देखा जा सकता है। वहीं फैंटम ट्विस्ट में सिर्फ एक मोटर और एक प्रोपेलर का इस्तेमाल किया गया है। जब इस ड्रोन का पंखा एक दिशा में घूमता है, तो ड्रोन का बाकी पूरा हिस्सा दूसरी दिशा में घूमने लगता है। यह ड्रोन इतनी तेजी से घूमता है कि इंसानी आँखें इसके किसी भी हिस्से को साफ-साफ नहीं देख पातीं। तेज रफ्तार होने की वजह से इसके पुर्जे बैकग्राउंड के साथ मिलकर एक धुंध जैसा अहसास कराते हैं। इस ड्रोन के डिजाइन को AI की मदद से तैयार किया गया है। इसके लिए उड़ने में सक्षम 20,000 अलग-अलग डिजाइनों की जांच की गई थी। इसके बाद AI एल्गोरिदम ने मोटर, बैटरी, सर्किट बोर्ड और काउंटरवेट जैसे सभी भारी पुर्जों को इस तरह से डिजाइन में सेट किया कि घूमते हुए वे कम से कम दिखाई दें। इस पूरे प्रोसेस के बाद ही सबसे बेस्ट को मॉडल को तैयार किया गया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक यह ड्रोन आम ड्रोन के मुकाबले 10 गुना कम दिखाई देता है। इस तकनीक का फायदा पर्यावरण और वन्यजीवों की निगरानी में हो सकता है। दरअसल ड्रोन को देखकर पक्षी और जानवर डरकर भाग जाते हैं। ऐसे में फैंटम ट्विस्ट की मदद से पक्षियों के घोंसलों और पुरानी इमारतों की जांच बिना किसी को परेशान किए या बिना ध्यान में आए आसानी से की जा सकेगी। इंजीनियर्स का अगला टारगेट पूरी तरह से गायब होने वाला ड्रोन बनाना है। दरअसल मौजूदा फैंटम ट्विस्ट में कुछ खामियां हैं, जिनकी वजह से यह थोड़ा-बहुत दिखाई देता है।

नॉलेज

शिलाजीत कहलाते हैं पहाड़ों के ये बेशकीमती 'आंसू', पुरुषों में हमेशा से बेहद लोकप्रिय

हिमालय की गोद में छिपा एक ऐसा खजाना जो पहाड़ों से रिस-रिस कर निकलता है। पहाड़ों का ये आंसू काला, चिपचिपा और बेहद शक्तिशाली होता है। स्थानीय लोग इसे 'पहाड़ों का आंसू' या 'पहाड़ों का पसीना' कहते हैं। आयुर्वेद में इसे शिलाजीत नाम से जाना जाता है। आजकल यह स्वास्थ्य के दीवानों और खासकर पुरुषों के बीच बेहद पॉपुलर हो रहा है। एक किलो शुद्ध शिलाजीत की कीमत हजारों रुपये तक पहुंच जाती है। फिर भी इसकी डिमांड लगातार बढ़ रही है।

शिलाजीत हिमालय, अल्ताई और अन्य ऊंचे पहाड़ों की चट्टानों से निकलने वाला प्राकृतिक रेजिन है। यह हजारों साल पुरानी जड़ी-बूटियों, खनिजों और ऑर्गेनिक मैटर के डीकंपोज होने से यह बनता है। गर्मियों में जब पहाड़ पिघलते हैं तो यह चिपचिपा पदार्थ चट्टानों से रिसता हुआ दिखाई देता है। शिलाजीत में 85 से ज्यादा खनिज, फुल्विक एसिड, ह्यूमिक एसिड और अन्य जैविक कंपाउंड पाए जाते हैं। आयुर्वेद में इसे 'रसायन' माना गया है यानी वह पदार्थ जो शरीर को युवा और स्वस्थ रखता है। आधुनिक जीवनशैली, तनाव और खान-पान की गड़बड़ी के कारण कई पुरुष स्टैमिना, एनर्जी और परफॉर्मेंस से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। शुद्ध शिलाजीत इन समस्याओं में फायदेमंद माना जाता है।

कीमत क्यों इतनी ज्यादा?: शुद्ध शिलाजीत प्राप्त करना बहुत मुश्किल है। इसे ऊंचाई वाले दुर्गम इलाकों से इकट्ठा किया जाता है। प्रोसेसिंग के बाद जब इसे शुद्ध किया जाता है तो मात्रा काफी कम हो जाती है। नकली शिलाजीत बाजार में आम है, इसलिए असली प्रोडक्ट महंगा पड़ता है। मार्केट में प्योर शिलाजीत 2000 से 8000 रुपये प्रति 10 ग्राम या उससे ज्यादा।

न्यूज विंडो

120 श्रद्धालुओं का जत्था भगवान नेमीनाथ की मोक्षस्थली गिरनारजी के लिए रवाना

गंजबासौदा। अभयसेना संस्था, गंजबासौदा के तत्वावधान में 120 श्रद्धालुओं का विशाल जत्था जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान नेमीनाथ की पावन मोक्षस्थली गिरनारजी (जूनागढ़, गुजरात) के लिए श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रवाना हुआ। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का परिजनों एवं समाजजनों ने मंगल तिलक लगाकर और शुभकामनाएं दी। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि गुजरात के जूनागढ़ जिले में स्थित गिरनारजी जैन धर्म का अत्यंत पवित्र एवं आस्था का प्रमुख तीर्थ है, जहां भगवान नेमीनाथ ने मोक्ष प्राप्त किया था। प्रतिवर्ष यहां भगवान नेमीनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़े हर्षोल्लास और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मनाया जाता है। यात्रा में शामिल श्रद्धालु भगवान नेमीनाथ के मोक्ष कल्याणक महोत्सव में भाग लेंगे। इसके साथ ही वे गिरनार पर्वत की पवित्र परिक्रमा कर पूजा-अर्चना एवं धार्मिक आयोजनों में सहभागिता करेंगे तथा भगवान नेमीनाथ के चरणों में सुख-समृद्धि एवं विश्व शांति की प्रार्थना करेंगे। अभयसेना संस्था ने बताया कि इस धार्मिक यात्रा का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना, धार्मिक संस्कार एवं तीर्थ परंपरा को बढ़ावा देना है। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और भक्ति का वातावरण देखने को मिला।

रीवा में छिपकली के काटने से महिला की मौत का दावा

रीवा। जिले से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने के बाद परिजनों ने छिपकली के काटने से मौत होने का दावा किया है। महिला को गंभीर हालत में परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे थे, डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया लेकिन महिला को बचाया नहीं जा सका और उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच में जुट गई है। महिला की मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मेडिकल जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। घटना रीवा जिले के जड़कुड़ गांव की है, जहां रहने वाली 34 वर्षीय महिला फूलकली पति रामसुंदर रात का खाना खाकर अपने कमरे में सो रही थी। रात में अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी और परिजन उसे सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजन का कहना है कि सोते समय छिपकली बिस्तर पर गिरी और करवट लेते ही फूलकली के नीचे दब गई। इस दौरान छिपकली ने फूलकली को काट लिया। कुछ घंटों बाद फूलकली की तबीयत बिगड़ने लगी तो उसे अस्पताल लेकर आए जहां उसकी मौत हो गई है। महिला की मौत की सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंपा। परिजन भले ही छिपकली के काटने से महिला की मौत का दावा कर रहे हैं लेकिन अगर विशेषज्ञों की मानें सामान्य तौर पर घरों में पाई जाने वाली छिपकलियां जहरीली नहीं होती है। सामान्य परिस्थितियों में इनके काटने से जानलेवा स्थिति बनने के प्रमाण बेहद दुर्लभ हैं।

श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया मां भद्रकाली दसवां स्थापना दिवस

सिरोंज। सिरोंज के पहाड़ स्थित प्राचीन श्री महाकाली (मां भद्रकाली) मंदिर में रविवार को मां भद्रकाली का दसवां स्थापना दिवस श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विधि-विधान से माँ भद्रकाली का पूजन-अर्चन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने माँ भद्रकाली के दर्शन कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और जयकारों से माहौल गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम में समापन अवसर पर महाआरती संपन्न हुई, जिसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया इस अवसर पर प्रमुख रूप से ओमप्रकाश दुबे, कृष्ण बिहारी पाण्डेय, राजेंद्र गर्ग, मनमोहन साहू, मनोज साइनाथ, दीन दयाल शर्मा, सर्वेश शर्मा, पारस तारण, जितेंद्र श्रीवास्तव, जगदीश, बलजीत यादव, मां भद्रकाली सेवा समिति के अन्य लोग उपस्थित रहे।

गरिमामयी और प्रेरणादायक कार्यक्रम का हुआ सफल आयोजन

सिरोंज। राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के पावन उपलक्ष्य में आज विकासार्थ विद्यार्थी विदिशा द्वारा शासकीय मॉडल स्कूल सिरोंज में एक अत्यंत गरिमामयी और प्रेरणादायक कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। स्वामी विवेकानंद जी एवं माँ शारदे के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और युवाओं के स्वास्थ्य को लेकर इस कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने छात्र-छात्राओं का ओजस्वी मार्गदर्शन किया। मंच पर मुख्य रूप से गरिमामयी उपस्थिति मुख्य वक्ता के रूप में सिरोंज पुलिस विभाग के कर्मठ सोनू डावर उपस्थित रही। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा की स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। आज हमारा भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। इसका मतलब है कि हमारे देश का भविष्य पूरी तरह से हम युवाओं के कंधों पर टिका हुआ है। यदि देश का युवा स्वस्थ होगा, तो देश का विकास भी उतनी ही तेजी से होगा।लेकिन आज के इस आधुनिक युग में, हम युवा अपनी सेहत को भूलते जा रहे हैं। फास्ट फूड, मोबाइल स्क्रीन की लत और शारीरिक सक्रियता की कमी के कारण युवा पीढ़ी मानसिक तनाव और मोटापे जैसी समस्याओं से घिर रही है। हमें यह समझना होगा कि बिना अच्छे स्वास्थ्य के हम न तो अच्छी पढ़ाई कर सकते हैं और न ही अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं।एक स्वस्थ युवा बनने के लिए हमें अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव करने होंगे। प्राचार्य जितेंद्र बघेल ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरण को किस तरह से स्वस्थ स्वच्छ एवं बचा सकते हैं।

एनएच-46 पर भीषण हादसा: चलते वाहन का टायर फटने से अनियंत्रित हुई कार

महाकाल दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की कार अचानक टीले से टकराई, 2 की मौत 6 गंभीर

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा के अंतर्गत आने वाले नेशनल हाईवे- 46 गुना रोड पर जोगीपुरा टोल प्लॉजा के पास रविवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। जिसमें महाकालेश्वर के दर्शन करने के लिए उज्जैन जा रहे दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 6 गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर घायलों में से चार को भोपाल और अन्य हायर सेंटर रेफर किया है। हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई।

सूचना मिलते ही नेशनल हाईवे समेत दो एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और घायलों को क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकालकर पास के बीनागंज स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां एक ने दम तोड़ दिया, वहीं दूसरे की ब्यावरा सिविल अस्पताल में मौत हो गई। हादसे में 52 वर्षीय अजीत पांडे, निवासी चमरोली, उन्नाव और 35 वर्षीय श्यामजी प्रजापति, निवासी जालौन, उन्नाव की मौत की पुष्टि हुई है। देहात पुलिस ने मृतकों के परिजन को सूचना दे दी है, उनके आने के बाद पोस्टमार्टम किया जाएगा। मामले को पुलिस ने जांच में लिया है।

टायर फटने से हुआ हादसा, मिट्टी के ढेर से जा टकराई कार

कार में आठ लोग सवार थे और सभी उत्तर प्रदेश के उन्नाव के निवासी थे, जो पीडब्ल्यूडी विभाग के कर्मचारी बताए जा रहे हैं। अवकाश के दौरान सभी महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन करने के लिए उज्जैन जा रहे थे। कार चालक मधुराज गौतम (24) पिता चेनसिंह निवासी चौरा उन्नाव ने बताया कि रात में अचानक कार का टायर पंचर हो गया, वाहन तेज रफ्तार में होने के कारण संतुलन नहीं बना और कार सड़क किनारे पड़े मिट्टी के ढेर से जा टकराई। जिसके कारण ही हादसा हुआ है।

ये लोग हुए घायल

हादसे में चालक मधुराज गौतम, अखिलेश रावत (32), मनोज रावत (37) निवासी धनियाखेड़ा, काशी (55), विकास गौतम (30) निवासी चौरा गांव और श्याम (42) गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इनमें से श्याम की हालत नाजुक बताई जा रही है। घायलों को सिर, सीने और शरीर के अन्य हिस्सों में अंदरूनी चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद कुछ गंभीर घायलों को भोपाल और कुछ को अन्य जगह रेफर किया गया है।

कार में सवार अधिकांश लोग थे नींद में

कार चालक ने बताया कि अजीत पांडे कार की सबसे पीछे वाली सीट पर बैठे थे। वहीं श्यामजी प्रजापति ड्राइवर के बगल कार में आगे बैठे थे, घटना के दौरान दोनों नींद में थे। तभी हादसा हो गया। श्यामजी पीडब्ल्यूडी विभाग में बाबू के पद पर कार्यरत थे। बताया जा रहा है कि श्याम ब्यावरा सिविल अस्पताल में उपचार किया जा रहा था, तभी दम तोड़ दिया।

घटनास्थल पर ही जुटेंगे डिजिटल साक्ष्य, पुलिस को मिले टैबलेट

धार। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार पुलिस विभाग को डिजिटल और स्मार्ट बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल की गई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय धार में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान एसपी सचिन शर्मा ने जिले के विभिन्न थानों के विवेचकों को अत्याधुनिक टैबलेट वितरित किए। इस अवसर पर थाना कोतवाली, नौगांव, तिरला, सरदारपुर, राजगढ़, कानवन और सादलपुर के विवेचकों को टैबलेट सौंपे गए। इन उपकरणों की मदद से अब पुलिस की जांच और विवेचना की पूरी प्रक्रिया अधिक प्रभावी, तेज और तकनीक आधारित हो सकेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने कहा कि आधुनिक तकनीक का सही उपयोग पुलिस अनुसंधान को अधिक कुशल, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध बनाएगा। उन्होंने बताया कि इस टैबलेट के माध्यम से विवेचक अब घटनास्थल पर ही आवश्यक जानकारी और डिजिटल साक्ष्यों का संकलन कर सकेंगे। साथ ही, दस्तावेजों का संधारण, ऑनलाइन अपडेशन और विभिन्न पुलिस एप्लीकेशनों के जरिए विवेचना से जुड़े कार्यों का मौके पर ही त्वरित निष्पादन किया जा सकेगा। इससे जांच की गुणवत्ता में सुधार होगा और आम जनता को भी जल्दी व बेहतर पुलिस सेवाएं मिल सकेंगी।

एसपी ने सभी विवेचकों से उम्मीद जताई कि वे इस तकनीक का अधिकतम उपयोग कर पुलिसिंग को मजबूत करेंगे और जांच कार्य को वैज्ञानिक व डिजिटल रूप प्रदान करेंगे। इस महत्वपूर्ण अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारूल बेलापुरकर, एसडीओपी (सरदारपुर) विश्वदीप सिंह परिहार, एसडीओपी (कुक्षी) सुनील गुप्ता, रक्षित निरीक्षक पुरुषोत्तम बिश्नोई सहित निरीक्षक समीर पाटीदार, रविन्द्र कुमार बारिया, राजललन मिश्रा, ईश्वर सिंह चौहान, अनिल जाधव, प्रवीण ठाकरे, ज्योति पटेल और संबंधित थानों के विवेचक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पति को कैंसर हुआ तो तड़पता छोड़ पत्नी ने कर ली दूसरी शादी

रतलाम। दोपहर मेट्रो

रतलाम में एक बेहद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, यहां एक युवक को कैंसर होने के बाद उसकी पत्नी तड़पता हुआ छोड़कर चली गई। दोनों ने लव मैरिज की थी लेकिन शादी के कुछ महीनों बाद ही युवक को कैंसर हो गया, जब इस बात का पता पत्नी को चला तो पत्नी ने उससे किनारा कर लिया। इतना ही नहीं आरोप है कि पत्नी ने बिना तलाक लिए दूसरी शादी भी कर ली है। अब मामला कोर्ट में है और कोर्ट ने आरोपी पत्नी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। ये दर्दभरी दास्ता है रतलाम की राजस्व कॉलोनी में रहने वाले आकाश जाट की। आकाश ने 20 नवंबर 2022 को घर वालों की मर्जी के खिलाफ इंदौर के आर्य मंदिर में रतलाम की ही रहने वाली साक्षी नकुम के साथ लव मैरिज की थी। दोनों की पहचान सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर हुई थी, फिर दोस्ती हुई और करीब 6 महीने बाद दोनों ने परिवार की मर्जी के खिलाफ जाकर शादी का फैसला कर लिया। दोनों के आर्य मंदिर में शादी करने के बाद परिवारवाले भी ज्यादा दिनों तक नाराज नहीं रह पाए और फिर दोनों परिवारों की रजामंदी से 13 दिसंबर 2022 को दोनों का रीति-रिवाज से विवाह संपन्न हुआ।

हिमटेक्नो कंपनी में हादसा

कर्मचारी की मौत मामले में मेंटेनेंस से जुड़े तीन अधिकारियों पर मामला दर्ज

धार। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक नगरी पीथमपुर के सेक्टर-1 स्थित हिमटेक्नो कंपनी में मशीन के रखरखाव में बरती गई गंभीर लापरवाही के कारण एक कर्मचारी की जान चली गई। इस मामले में पुलिस ने जांच के बाद प्रबंधन और मेंटेनेंस से जुड़े तीन अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने दो टीमों का गठन किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, 4 जुलाई की शाम करीब साढ़े पांच बजे कंपनी में पार्ट्स की डाई बनाने का काम कर रहे 49 वर्षीय कर्मचारी भीमसेन पिता कुल्लुराम सेन पर सवा 600 टन क्षमता वाली हैमर मशीन का भारी स्टैंड अचानक गिर गया। स्टैंड सीधे भीमसेन के सिर पर गिरा, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद सेक्टर-1 पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की, जिसमें चौंकाने वाला खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि घटना से ठीक तीन दिन पहले (1 जुलाई) को मशीन का मेंटेनेंस और सर्विसिंग का काम किया गया था। यह काम टेक्नीशियन विनोद कुमार, फीटर सुरेश बोराडे और रामतिरथ को सौंपा गया था। तीनों ने सर्विसिंग के दौरान गंभीर लापरवाही बरतते हुए मशीन की सही तरीके से फिटिंग नहीं की थी, जिसके कारण काम के दौरान हैमर का स्टैंड मुड़कर नीचे आ गिरा।जांच में मेंटेनेंस टीम की प्रत्यक्ष लापरवाही साबित होने पर सेक्टर-1 थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 372/26 के तहत आरोपी विनोद कुमार, फीटर सुरेश बोराडे और रामतिरथ के खिलाफ बीएनएस की धारा 106(1) (लापरवाही से मौत) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की आगे की कानूनी कार्रवाई और विवेचना प्रधान आरक्षक रुपराव तनपुरे द्वारा की जा रही है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों की तलाश जारी है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

औबेदुल्लागंज में आवारा सांडों का आतंक, लोगों में दहशत

राहगीर, बच्चे और बुजुर्ग असुरक्षित; नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

मौसम बदलते ही नगर परिषद औबेदुल्लागंज क्षेत्र में आवारा मवेशियों, विशेषकर सांडों की संख्या तेजी से बढ़ गई है। कस्बे की मुख्य सड़कों से लेकर रिहायशी कॉलोनियों तक आवारा सांड खुलेआम घूम रहे हैं, जिससे आम नागरिकों में भय का माहौल है।

महावीर कॉलोनी, सीएल नगर, विद्यानगर सहित सभी वार्डों में आए दिन आवारा सांडों के बीच लड़ाई और राहगीरों पर अचानक हमला करने की घटनाएं सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर निकलना जोखिम भरा हो गया है। सबसे अधिक चिंता बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर है। रहवासियों के अनुसार आवारा पशुओं के कारण सड़क दुर्घटनाएं भी लगातार बढ़ रही हैं। कई बार वाहन चालक इन

पशुओं को बचाने के प्रयास में दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। नागरिकों का आरोप है कि नगर परिषद द्वारा आवारा पशुओं को पकड़ने और सुरक्षित स्थान पर भेजने के लिए अब तक कोई प्रभावी अभियान नहीं चलाया गया है। स्थानीय लोगों ने नगर परिषद और प्रशासन से मांग की है कि आवारा पशुओं को तत्काल पकड़कर गौशालाओं या निर्धारित स्थानों पर भेजा जाए, ताकि शहरवासियों को इस बढ़ते खतरे से राहत मिल सके। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। औबेदुल्लागंज में आवारा सांडों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। कॉलोनियों और मुख्य मार्गों पर घूम रहे ये पशु अब लोगों की जान के लिए खतरा बन चुके हैं। स्थानीय नागरिक नगर परिषद से जल्द प्रभावी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से पहले इस समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

मेट्रो एंकर भोपाल मेला उत्सव समिति एवं भारतीय सिंधु सभा के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं ने दिखाया कला का हुनर

पारंपरिक व्यंजनों की खुशबू से महका कुकिंग प्रतियोगिता का मंच

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

भोपाल मेला उत्सव समिति एवं भारतीय सिंधु सभा, गंजबासौदा के संयुक्त तत्वावधान में पारंपरिक व्यंजनों पर आधारित कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता पिछले 18 वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य भारतीय पारंपरिक व्यंजनों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना और उन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना है।

प्रतियोगिता में नगर की 21 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने ऐसे पारंपरिक व्यंजन तैयार किए, जो कभी घर-घर में बनाए जाते थे, लेकिन आधुनिक जीवनशैली के कारण अब धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रहे हैं। आयोजन का मुख्य उद्देश्य इन्हीं पारंपरिक स्वादों और खान-पान की संस्कृति को संरक्षित करना तथा युवाओं को उनसे परिचित कराना रहा। प्रतियोगिता

के निर्णायक मंडल में भोपाल से पधारीं पिंकी लालवानी, किरण बत्रा एवं सुनीता बत्रा ने सभी व्यंजनों का स्वाद, प्रस्तुतीकरण और पारंपरिकता के आधार पर मूल्यांकन किया। कार्यक्रम में समाज की ओर से प्रदीप खटवानी, प्रकाश वाधवानी, प्रेम लालवाणी, शंकर बलेचा एवं कन्हैया लाल वासवानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन भारतीय सिंधु सभा के संभाग प्रभारी राजकुमार मलकानी ने किया।आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन केवल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भारतीय पारंपरिक खान-पान, संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का एक सार्थक प्रयास हैं। प्रतियोगिता में महिलाओं के उत्साह और पारंपरिक व्यंजनों की विविधता ने सभी का मन मोह लिया।

मानसून के तीन माह हाई अलर्ट: वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में शिकारियों की घुसपैठ रोकने ऑपरेशन प्रारंभ

50 से अधिक पेट्रोलिंग कैंपों से 400 वनकर्मी, 15 भूतपूर्व सैनिक रख रहे निगरानी

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व मानसून सीजन में बंद हो गया है। पर्यटन के लिए अब इसके गेट 30 सितंबर को खुलेंगे। तब तक जंगल में वन्य प्राणियों की रक्षा शिकारियों से करने के लिए व्यापक पैमाने पर तैयारी की गई है। जंगल के चप्पे-चप्पे पर विभाग के अधिकारी, कर्मचारी नजर बनाए हुए हैं।

संवेदनशील इलाकों की निगरानी की जा रही है। बारिश के कारण मार्ग जर्जर हो जाते हैं और जंगल में घनी झाड़ियां बढ़ जाती हैं। दुर्गम स्थानों पर वाहनों से नहीं जाया जा सकता है। इस स्थिति में वन्य प्राणियों के शिकार, अवैध कटाई, अतिक्रमण और अवैध चराई की आशंका बढ़ जाती है। साथ ही शिकारियों का भी खतरा रहता है। इसलिए रिजर्व में वन्य प्राणियों और उनके आवास की सुरक्षा के लिए

प्रबंधन के द्वारा ऑपरेशन मानसून 30 सितंबर तक चलाया जाएगा, जिससे जंगल में बाहरी और शिकारियों की घुसपैठ को रोका जाएगा। गौरतलब है कि टाइगर रिजर्व का क्षेत्रफल दमोह सागर और नरसिंहपुर जिलों में करीब 2339 वर्ग किमी फैला हुआ है। टाइगर रिजर्व में वन माफिया की सक्रियता की अधिक आशंका मानसून सीजन में बढ़ जाती है। क्योंकि इस क्षेत्र में सागौन की अत्याधिक मात्रा है, सागौन तस्कर गिरोह जंगल में वन्य प्राणियों के शिकार में भी लिप्त रहता है, पूर्व में भी मानसून सीजन में कई मामले शिकार व सागौन तस्करी के सामने आए थे। टाइगर रिजर्व व नौरादेही अभ्यारण्य शुरू से ही शिकारियों व लकड़ी तस्करों के निशाने पर रहा है। अभ्यारण्य के भीतर इस तरह की गतिविधियां संचालित होने के मामले आए दिन सामने आ जाते हैं। बीते 8 सालों में बाघों का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। साथ ही अन्य जानवरों की भी संख्या बढ़ गई है, इसलिए जंगली जानवरों की सुरक्षा के लिए और अधिक सख्ती कर दी गई है पूरे स्टाफ को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

रात में लगाए 300 कर्मचारी

टाइगर रिजर्व में रात में भी निगरानी की जा रही है। 300 से अधिक कर्मचारी जगह- जगह पर तैनात किए गए हैं। अभी तक यहां पर हाथी दल वाहन गस्ती सहित 250 अधिकारी कर्मचारी थे। अब इनकी संख्या 400 के आसपास हो गई है। लेकिन बारिश होने की वजह से ना हाथी दल जंगल के अंदर जा पा रहा है और ना ही वाहन जा पाते हैं और विजिबिलिटी भी कम हो जाती है, इसलिए कर्मचारियों की संख्या को बढ़ाया गया है।

भूतपूर्व सैनिकों की सुरक्षा में ली जा रही मदद

टाइगर रिजर्व में बढ़ती बाघों की संख्या और आने वाले दिनों में चीतों की सुरक्षा की चिंता करते हुए व कुछ माह पहले हुए घटनाक्रम को देखते हुए वन अपराधियों के बेलगाम हौसले की तरफ इशारा करते व लकड़ी तस्करी और वन्यजीवों के शिकार के साथ बाघों व चीतों की सुरक्षा को लेकर प्रबंधन ने भूतपूर्व सैनिकों की टाइगर रिजर्व की सुरक्षा में मदद ली जा रही है अभी टाइगर रिजर्व में 15 से अधिक भूतपूर्व सैनिकों की भी ड्यूटी लगाई गई है रिजर्व की सुरक्षा की कमान वन अमला तो संभाल रहे हैं अब एक्स आर्मी मैन वन अमले के साथ कंधे से कंधे मिलाकर टाइगर रिजर्व की सुरक्षा करेंगे।

650 ट्रैप कैमरों से निगरानी

वन्यजीवों की गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए टाइगर रिजर्व के भीतर 650 से अधिक ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी मदद से हर मूवमेंट की निगरानी की जा रही है। इसके अलावा क्षेत्र में 35 वॉच टॉवर, 40 पेट्रोलिंग कैंप और 400 से अधिक सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। गस्त के लिए टीमें दिन और रात ड्यूटी पर हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा और चौकसी को बढ़ाया गया है। टाइगर रिजर्व का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा नौरादेही क्षेत्र है, जहां सबसे अधिक सुरक्षा संसाधन लगाए गए हैं। यहां 40 वॉच टॉवर, 650 ट्रैप कैमरे, करीब 50 से अधिक पेट्रोलिंग कैंप और एक हाथी कैंप के साथ 400 से अधिक सुरक्षाकर्मी लगातार निगरानी में जुटे हैं।

न्यूज विंडो

विद्यालय में हुआ बाघ जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रश्नोत्तरी का आयोजन

तेंदूखेड़ा। आगामी 29 जुलाई को मनाए जाने वाले विश्व बाघ दिवस के उपलक्ष्य में वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व द्वारा विद्यालयों में बाघ एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सर्रा रेंज अंतर्गत ग्राम सर्रा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बाघ जागरूकता प्रस्तुतीकरण एवं प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को वन, वन्यजीवों तथा विशेष रूप से बाघ के महत्व से अवगत कराना तथा प्रकृति एवं जैव विविधता के संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना था। प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विद्यार्थियों को पेड़-पौधों, वन्य प्राणियों, पशु-पक्षियों एवं अन्य जीव-जंतुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान प्रोजेक्टर के माध्यम से जंगल में पाए जाने वाले बाघ, भेड़िया, लोमड़ी, चीतल, चिंकारा, सांभर, भालू, सियार सहित अन्य वन्यजीवों का परिचय कराया गया तथा उनकी पहचान और विशेषताओं के बारे में बताया गया। इसके साथ ही सागौन, बीजा, महुआ, हर्रा, बहेरा, आंवला सहित अनेक महत्वपूर्ण वनस्पतियों एवं औषधीय पौधों की उपयोगिता से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में वन एवं वन्यजीव संरक्षण के महत्व पर विशेष बल देते हुए पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी भूमिका को सरल एवं रोचक ढंग से समझाया गया।

सघन तलाश एवं तकनीकी विवेचना के आधार पर आरोपी तक पहुंची पुलिस

पत्नी की हत्या कर फरार हुए आरोपी को किया गिरफ्तार, कुल्हाड़ी भी बरामद

सागर। दोपहर मेट्रो

थाना जैसीनगर पुलिस ने हत्या के एक सनसनीखेज मामले का मात्र 48 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त धारदार कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली है।

18 जुलाई 2026 को फरियादी कोमल सेन निवासी गेहूरास तिराहा, जैसीनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 17 जुलाई 2026 की रात्रि लगभग 11:45 बजे कृषि मंडी गेट, जैसीनगर के पास रहने वाले मनोहर सेन ने अपनी पत्नी रश्मि सेन पर चरित्र शंका एवं आपसी संदेह के चलते धारदार कुल्हाड़ी से गर्दन पर जानलेवा वार कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से जंगल की ओर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की एफआरवी तत्काल मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल रश्मि सेन को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैसीनगर पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने परीक्षण उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट के आधार पर थाना जैसीनगर में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद थाना जैसीनगर पुलिस ने संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी, मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया तथा तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश प्रारंभ की। विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी मनोहर सेन लाल शर्ट एवं काले रंग की पैंट पहनकर केसली क्षेत्र के वनदेवी जंगल की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना जैसीनगर पुलिस ने तत्काल थाना केसली पुलिस से समन्वय स्थापित किया और संयुक्त रूप से घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया।

पत्नी पर संदेह के चलते आवेश में आकर दिया वारदात को अंजाम

पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी पत्नी की हत्या करना स्वीकार किया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त धारदार कुल्हाड़ी बरामद की गई। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई उपरांत आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रारंभिक विवेचना में सामने आया कि आरोपी ने अपनी पत्नी पर संदेह के चलते आवेश में आकर इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। पुलिस मामले के प्रत्येक पहलू की गंभीरता से जांच कर रही है। इस हत्याकांड के त्वरित खुलासे एवं आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी निरीक्षक जे.पी. ठाकुर, प्रधान आरक्षक सहयोग कुमार, प्रधान आरक्षक जयसिंह कुर्मी, प्रधान आरक्षक हुकुम धुर्वे, प्रधान आरक्षक कमलेश नामदेव, आरक्षक जितेन्द्र रजक, आरक्षक काजी सहित थाना जैसीनगर एवं थाना केसली पुलिस की टीम की सराहनीय एवं महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कनेरा नीखर की बेटी निकिता चौबे का माइनिंग इंस्पेक्टर पद पर चयन

सागर। नरयावली विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कनेरा नीखर के पूर्व सरपंच कृपाशंकर चौबे की सुपुत्री और कटरा स्थित संजीवनी मेडिकल स्टोर संचालक तरुण चौबे की भतीजी सुश्री निकिता चौबे ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की है। उनका चयन माइनिंग इंस्पेक्टर पद पर हुआ है। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए गौरव की बात है, बल्कि पूरे नरयावली विधानसभा क्षेत्र तथा ग्रामीण युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। सुश्री निकिता चौबे ने कड़ी मेहनत, लगन और निरंतर अध्ययन से इस मुकाम को हासिल किया है। नरयावली विधायक प्रदीप लारिया ने सुश्री निकिता चौबे को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनकी इस सफलता को ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बताया।

पुलिसकर्मियों के सम्मान में हुई स्टार सेरेमनी

धार। दोपहर मेट्रो

पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेशानुसार जिला धार में पदस्थ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभा कक्ष में एक गरिमामय स्टार सेरेमनी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हाल ही में आरक्षक से प्रधान आरक्षक, प्रधान आरक्षक से सहायक उप निरीक्षक, उप निरीक्षक से निरीक्षक और निरीक्षक से उप पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नत हुए पुलिसकर्मियों के सम्मान में रखा गया था। कार्यक्रम की शुरुआत धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण में सुंदरकांड पाठ एवं हनुमान चालीसा के साथ हुई। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने पदोन्नत अधिकारियों और कर्मचारियों को स्टार लगाकर सम्मानित किया। समारोह के अंत में सभी के लिए भोजन प्रसादी का भी आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस

परिवार के सदस्यों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और अपने साथियों को बधाई दी। इस अवसर पर धार पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने सभी पदोन्नत पुलिसकर्मियों को बधाई देते हुए कहा पदोन्नति केवल एक अधिकार नहीं है, बल्कि यह आपके कर्तव्य, अनुशासन और उत्तरदायित्व का विस्तार है। उन्होंने सभी से अपेक्षा की कि वे अपने नए दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी, संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ करें, ताकि आमजन की सेवा और कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सके। समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारूल बेलापुरकर, सीएसपी पीथमपुर कमल सिंह चौहान, एसडीओपी सरदारपुर विश्वदीप सिंह परिहार, एसडीओपी कुक्षी सुनील गुप्ता, डीएसपी (अजाक) आनंद तिवारी, रक्षित निरीक्षक पुरुषोत्तम बिश्नोई सहित एसपी कार्यालय का समस्त स्टाफ और पदोन्नत अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

घर के सामने खड़ी बाइक चोरी

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 12 में घर के सामने खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वार्ड क्रमांक 12 निवासी पुरुषोत्तम लाल पटेल ने अपनी टीवीएस कंपनी की मोटरसाइकिल क्रमांक एम पी 34 एमई 1329 रविवार दोपहर अपने घर के सामने खड़ी की थी। लगभग दो घंटे बाद जब वे बाहर आए, तो मोटरसाइकिल निर्धारित स्थान से गायब मिली। वाहन नहीं मिलने पर उन्होंने आसपास के क्षेत्र में काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। घटना के बाद पुरुषोत्तम लाल पटेल ने तेन्दूखेड़ा थाना पहुंचकर थाना प्रभारी को लिखित आवेदन सौंपते हुए मोटरसाइकिल बरामद करने और अज्ञात चोरों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर उसकी पावती जारी कर दी है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के संभावित स्थानों एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अज्ञात चोरों की तलाश में जुटी हुई है।

मेट्रो एंकर

तेंदूखेड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कॉम्बिंग गश्त में 7 गिरफ्तारी वारंट के आरोपी एवं 1 स्थायी वारंटी को पकड़ा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

दमोह पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा एसडीओपी के मार्गदर्शन में अपराधियों एवं फरार वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 गिरफ्तारी वारंट के आरोपियों तथा 1 स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में विशेष कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर न्यायालय से जारी 7 गिरफ्तारी वारंट के आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही लंबे समय से फरार चल रहे 1 स्थायी वारंटी को भी पकड़ने में सफलता प्राप्त की। थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा न्यायालय से जारी वारंटों के त्वरित निष्पादन के उद्देश्य से यह विशेष कॉम्बिंग गश्त की गई थी। अभियान के दौरान सभी आरोपियों को विधि-विधान के अनुसार गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। उन्होंने कहा कि अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय है। ऐसे अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे, ताकि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जा सके और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना बनी रहे। तेंदूखेड़ा पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के असामाजिक तत्वों एवं फरार वारंटियों में हड़कंप की स्थिति है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान निरंतर चलाने की अपेक्षा व्यक्त की है। पुलिस ने नागरिकों से भी अपराध संबंधी किसी भी सूचना को तत्काल पुलिस तक पहुंचाने की अपील की है, ताकि क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा का वातावरण बनाए रखा जा सके। कांबिंग गस्त के दौरान सहायक उप निरीक्षक संजय सिंह, गजराज सिंह ,प्रधान आरक्षित बृजेश तिवारी ,सलीम खान, आरक्षकों में नंदलाल पटेल, रणधीर दाँगी, केवल , विशाल बेन सहित अन्य मौजूद थे

मुख्यमार्ग पर अतिक्रमण करने वालों पर लगाया जुर्माना

सागर। दोपहर मेट्रो

नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने कनेरादेव सड़क से होते हुए पंतनगर वार्ड व आसपास की स्वच्छता व्यवस्थाओं सहित नगर पालिक निगम द्वारा नागरिकों को दी जा रहीं विभिन्न सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने सड़कों की स्वच्छता, नाले नालियों की साफ-सफाई देखी और संबंधित सफाई अधिकारीयों को और बेहतर करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के

दौरान उन्होंने रावतपुरा कॉलेज रोड पंतनगर वार्ड के पास ब्लैक स्पॉट समाप्त कर बनाये गए सेल्फी पॉइंट में पौधों की कटाई छटाई कर व्यवस्थित सुन्दर और स्वच्छ रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बीड़ी कॉलोनी के पास कनेरादेव मुख्य मार्ग पर टायर आदि रखकर अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए। निगमायुक्त के निर्देशानुसार बीड़ी कॉलोनी स्थित इंडियन टायर सर्विस, मोहम्मद सादाब टायर, एवन टायर, जाबेद खान टायर आदि पर एक-एक हजार का चालान कर कुल 5 हजार रूपये जुर्माने की कार्यवाही की गई। एक-एक हजार रूपये का जुर्माना लगाने के साथ ही उक्त सभी को आगे से सड़क पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करने और अपने आस-पास स्वच्छता बनाये रखने की सख्त हिदायत दी गई। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही तेजी से की जा रही है। अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण सामग्री जब्ती के साथ जुर्माना भी लगाया है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. (वि/यां.) संभाग क्र. 1, शेड नं. 11–ए बारह दफ्तर जवाहर चौक भोपाल पिन–कोड 462003

web site: www.mppwd.gov.in —: निविदा आमंत्रण सूचना :— email:- eepwdelecbpl@mp.nic.in

निविदा क्रमांक 65/2026–27 भोपाल, दिनांक 14/07/2026

निम्नलिखित कार्य के लिये ई–टेण्डरिंग द्वारा ऑन–लाईन निविदा आमंत्रीत की जाती है। कार्य का विवरण http://www.mptenders.gov.in पर भी देखी जा सकती है।

क्र.	पोर्टल टेण्डर नं.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (रू.लाख में)
1	2026_PWDRB_521655_1	भोपाल	वार्षिक मरम्मत विद्युत कार्य	For Pole Shifting and Height Raising of 33 KV, 11 KV, LT Line and DTR for Nehru Nagar Square Bhopal	प्रथम	78.919

उपरोक्त बेव साइट से आन लाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेन्ट) बेव साईट के माध्यम से दिनाक 29/07/2026 सांय 5.30 बजे तक प्राप्त हो सकेंगा। विस्तृत एन. आई. टी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त बेव साईट में देखी जा सकती है। निविदा में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधनों को समाचार पत्रों में प्रकाशित नही किया जावेगा। यह संशोधन केवल विभागीय वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर ही प्रकाशित किया जावेंगा।

G-15888/26 "सायबर क्राइम सुरक्षा हेल्पलाइन नं.- 1930" कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. (वि/यां.) संभाग क्र. 1, भोपाल

फीफा विश्वकप
फाइनल

फुटबॉल के आसमान पर उगा यमाल नाम का सूरज

स्पेन के सिर सजा विश्व विजेता का ताज

फाइनल में मेसी की अर्जेंटीना को 1-0 से हराया, फेरान टोरेस रहे जीत के हीरो

न्यू जर्सी, एजेंसी

स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फीफा वर्ल्ड कप 2026 जीत लिया। न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फाइनल में स्पेन ने गत चैम्पियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। निर्धारित समय तक स्कोर 0-0 से बराबर था। ऐसे में मुकाबला एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा, जहां स्पेनिश टीम ने जीत हासिल की। 106वें मिनट में सब्स्टीट्यूट प्लेयर फेरान टोरेस ने स्पेन के लिए गोल दागा। टोरेस को एक अन्य सब्स्टीटयूट खिलाड़ी निको विलियम्स ने पास दिया, जिसपर वो गोल करने में कामयाब रहे।

स्पेन ने दूसरी बार फीफा वर्ल्ड कप जीता है। इससे पहले 2010 में ये टीम चैम्पियन बनी थी। वहीं अर्जेंटीना की टीम चौथी बार वर्ल्ड कप खिताब नहीं जीत सकी। अर्जेंटीना की टीम इटली और ब्राजील जैसा कारनामा नहीं कर पाई, जिसने बैक टू बैक टाइटल जीते थे। इटली ने 1934 और 1938 में खिताबी जीत हासिल की थी। जबकि ब्राजील की टीम ने 1958 और 1962 का संस्करण अपने नाम किया था। फाइनल में अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी का जादू बिल्कुल भी नहीं चला। खिताबी मुकाबले तक पहुंचने का दोनों टीमों का सफर आसान नहीं रहा। स्पेन ने फ्रांस और पुर्तगाल जैसी मजबूत टीमों को हराया, जबकि अर्जेंटीना ने लगातार तीन नॉकआउट मुकाबलों में अतिरिक्त समय तक चले रोमांचक मैच जीतकर फाइनल में जगह बनाई थी।

मैदान बना अखाड़ा, अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने स्पेनिश स्टार के चेहरे पर जड़ा मुक्का

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में स्पेन से मिली हार के बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ियों का गुस्सा मैदान पर फूट पड़ा। न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खिताबी मुकाबला खत्म होने के तुरंत बाद अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिआंड्रो परेडेस और स्पेन के खिलाड़ियों के बीच तीखी झड़प हो गई। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फाइनल की आखिरी सीटी बजते ही स्पेन के खिलाड़ी अपनी ऐतिहासिक जीत का जश्न मना रहे थे। इसी दौरान परेडेस सीधे स्पेन के डिफेंडर एरिक गार्सिया के पास पहुंचे और उनसे बहस शुरू कर दी। कुछ ही सेकंड में मामला इतना बढ़ गया कि परेडेस ने गार्सिया को दो बार मुक्का मार दिया। स्थिति को संभालने के लिए स्पेन के मिडफील्डर गावी बीच-बचाव करने पहुंचे। गावी ने दोनों खिलाड़ियों को अलग करने की कोशिश की, लेकिन परेडेस का गुस्सा शांत नहीं हुआ। उन्होंने गावी की तरफ भी हाथ उठाया। हालांकि इसके बावजूद परेडेस का हाथ गावी के चेहरे पर लग गया। इसके बाद दोनों टीमों के अन्य खिलाड़ी और अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसी तरह मामला शांत कराया। इसी बीच अर्जेंटीना के खिलाड़ी थियागो अल्माडा ने हस्तक्षेप किया और गावी को पीछे धकेलकर स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की, ताकि परेडेस का हाथ उन तक न पहुंचे।

पचास मिनट तक नहीं हो सका था कोई गोल

मैच की बात करें तो निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमों के बीच कोई गोल नहीं हो सका। इसके बाद मुकाबला एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा, जहां 106वें मिनट में सब्स्टीट्यूट फेरान टोरेस ने रिबाउंड पर शानदार गोल दागकर स्पेन को 1-0 की बढ़त दिला दी। यही गोल निर्णायक साबित हुआ और स्पेन दूसरी बार फीफा वर्ल्ड कप चैम्पियन बन गया।

स्पेन से हार के बाद फूट-फूटकर रोए लियोनेल मेसी, नहीं रुके आंसू

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में स्पेन ने गत चैम्पियन अर्जेंटीना का लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप विनर बनने का सपना तोड़ दिया। मैच खत्म होने के बाद सबसे भावुक पल तब देखने को मिला, जब अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी मैदान पर आंसू नहीं रोक सके। 39 वर्षीय दिग्गज फुटबॉलर अंतिम सीटी बजते ही घुटनों के बल बैठ गए और उनकी आंखें भर आईं। स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों ने मेसी... मेसी... के नारे लगाकर अपने महान खिलाड़ी का सम्मान किया। कई फैन ने पोस्टर और प्लेकार्ड दिखाकर मेसी कोभावनात्मक विदाई दी। फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल में निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमों के बीच कोई गोल नहीं हुआ। इसके बाद मुकाबला एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा, जहां स्पेन के सब्स्टीट्यूट फेरान टोरेस ने शानदार सूझबूझ दिखाई। उन्होंने रिबाउंड पर सबसे पहले पहुंचकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। यही गोल मैच का निर्णायक क्षण साबित हुआ और स्पेन ने दूसरी बार विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

हार के बावजूद मेसी ने रचा इतिहास

भले ही अर्जेंटीना ट्रॉफी बचाने में नाकाम रही, लेकिन लियोनेल मेसी ने अपने नाम एक और बड़ा रिकॉर्ड दर्ज कर लिया। वह फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में तीन फाइनल खेलने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बने। इसके अलावा 39 साल की उम्र में वह वर्ल्ड कप फाइनल खेलने वाले सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी भी बन गए।

लॉर्ड्स में हिटमैन का धमाल

अटकलों के बीच रोहित शर्मा ने आलोचकों को दिया जवाब, शतक के बाद पत्नी रितिका हो गईं भावुक

लंदन, एजेंसी

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें चल रही थी। रोहित पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे थे जिससे वनडे विश्व कप 2027 को लेकर उनका दावा कमजोर नजर आ रहा था। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में जब रोहित बल्लेबाजी के लिए उतरे तो शुभमन गिल के साथ उन्होंने धीमी शुरुआत की। लेकिन क्रीज पर टिकने के बाद वह पुरानी लय में नजर आए और उनके बल्ले से शानदार शतक निकला।

पिछले कुछ दिनों से भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की बल्लेबाजी से ज्यादा चर्चा उनके भविष्य को लेकर हो रही थी। लगातार कम स्कोर और मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा कि यह लॉर्ड्स उनका आखिरी वनडे मैच हो सकता है, इसने 39 वर्षीय इस दिग्गज खिलाड़ी के करियर को लेकर एक नई बहस छेड़ दी थी। लेकिन क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स के मैदान पर रोहित ने जुबान से नहीं, बल्कि अपने बल्ले से जवाब दिया। उन्होंने एक ऐसी जुझारू पारी खेली जिसने एकतरफा दिख रहे मैच में भारत को सम्मानजनक स्थिति तक पहुंचाया और दुनिया को याद दिलाया कि वे क्यों देश के सबसे बेहतरीन वनडे बल्लेबाजों में से एक हैं।

शतकीय पारी से तोड़े कौन से रिकॉर्ड

- रोहित लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर वनडे में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज हैं।
- उनसे पहले 50 ओवर के प्रारूप में अब तक कोई भारतीय बल्लेबाज लॉर्ड्स में सैकड़ा नहीं जड़ सका था।
- रोहित लॉर्ड्स में वनडे शतक लगाने के वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। रोहित ने 39 साल और 80 दिन की उम्र में ऐसा किया है।
- इतना ही नहीं रोहित सभी प्रारूप मिलाकर भारत के लिए शतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज बल्लेबाज हैं।
- रोहित लॉर्ड्स में सर्वोच्च वनडे स्कोर बनाने वाले भारतीय बन गए। रोहित ने पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।
- रोहित ने इस मैच में 138 रन बनाए जो भारत के लिए किसी बल्लेबाज का लॉर्ड्स के मैदान पर सर्वोच्च स्कोर है।

80 सेकंड में पाकिस्तान का गेम ओवर,

संग्राम सिंह ने रचा इतिहास बने स्ट्राइक एशिया चैंपियन

कुआलालंपुर। भारतीय मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स स्टार संग्राम सिंह ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नया इतिहास रच दिया है। उन्होंने प्रतिष्ठित स्ट्राइक एशिया चैम्पियनशिप के खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान के फाइटर मोहम्मद आबिद अली को महज 80 सेकंड में नॉकआउट कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में रोमांचक टक्कर की उम्मीद थी, लेकिन संग्राम सिंह ने अपने दमदार प्रदर्शन से पहले ही राउंड में मुकाबला अपने नाम कर लिया। मुकाबले की शुरुआत से ही संग्राम सिंह आक्रामक नजर आए। उन्होंने अपनी ताकत, तेज रफ्तार पंच और शानदार तकनीक का ऐसा प्रदर्शन किया कि मोहम्मद आबिद अली को वापसी का कोई मौका नहीं मिला। संग्राम ने लगातार दबाव बनाए रखा और कुछ ही पलों में मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल दिया। महज 1 मिनट 20 सेकंड के अंदर ही रेफरी को मुकाबला रोकना पड़ा और संग्राम सिंह को नॉकआउट विजेता घोषित किया गया।

अजेय रिकॉर्ड के साथ करियर में बड़ी उपलब्धि

इस ऐतिहासिक जीत ने संग्राम सिंह के प्रोफेशनल स्रूकरियर को नई ऊंचाई दे दी है। खिताब जीतने के साथ उनका अजेय रिकॉर्ड भी बरकरार रहा। कुश्ती की दुनिया से निकलकर प्रोफेशनल स्रूमें कदम रखने का उनका फैसला अब सफल साबित हो रहा है। संग्राम सिंह आज भारत के प्रमुख कॉम्बैट स्पोर्ट्स खिलाड़ियों में शामिल हो चुके हैं। उनकी लगातार अंतरराष्ट्रीय जीतें भारतीय फाइटिंग स्पोर्ट्स के बढ़ते प्रभाव को भी दर्शाती हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

जन्मदिन पर छलका मां का प्यार

बेटे विहान को गोद में लेकर भावुक हुईं कैटरीना

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने इस बार अपना जन्मदिन बेहद भावुक और यादगार अंदाज में मनाया। मां बनने के बाद यह उनका पहला जन्मदिन था, जिसे उन्होंने परिवार के साथ खास तरीके से सेलिब्रेट किया। इस मौके पर कैटरीना ने सोशल मीडिया पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं, जिनमें पति विक्की कौशल और बेटे विहान के साथ बिताए गए अनमोल पल देखने को मिले। तस्वीरों ने फैंस का दिल जीत लिया और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं।

भावुक कैप्शन ने छू लिया लोगों का दिल

तस्वीरों के साथ कैटरीना ने एक भावुक संदेश भी लिखा। उन्होंने कहा कि वह हमेशा ईश्वर का शुक्रिया अदा करेंगी, जिन्होंने उन्हें जिंदगी का सबसे अनमोल आशीर्वाद दिया। उन्होंने अपने इस जन्मदिन को अब तक का सबसे बेहतरीन जन्मदिन बताया और मजाकिया अंदाज में लिखा, और हां, तुम भी इतने बुरे नहीं हो। उनके इस कैप्शन को भी फैंस ने खूब पसंद किया और लाखों लोगों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

बेटे विहान के साथ तस्वीर ने जीता फैंस का दिल

कैटरीना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कई तस्वीरें पोस्ट कीं। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा उस तस्वीर की हो रही है, जिसमें वह अपने बेटे विहान को गोद में उठाए हुए उसके नन्हे हाथ पर प्यार से किस करती नजर आ रही हैं। एक अन्य ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर में विहान का छोटा-सा हाथ कैटरीना की नाक पर रखा हुआ दिखाई देता है, जबकि अभिनेत्री मुस्कुराते हुए मस्तीभरे अंदाज में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों ने मां-बेटे के खूबसूरत रिश्ते को बेहद सादगी और भावनात्मक अंदाज में पेश किया।

नाचे नागिन गली गली की फिर गूंजी धुन

मीनाक्षी शेषाद्रि ने नागिन बन ताजा कीं 90 के दशक की यादें

80 और 90 के दशक की लोकप्रिय अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि भले ही लंबे समय से फिल्मों से दूर हों, लेकिन आज भी उनकी लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाली मीनाक्षी अक्सर अपने फिल्मी सफर और सुनहरे दौर की यादें फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। इस बार उन्होंने बॉलीवुड की मशहूर नागिनफिल्मों को याद करते हुए अपनी फिल्म नाचे नागिन गली गली के चर्चित टाइटल सॉन्ग को नए अंदाज में रिक्रिएट किया, जिसे देखकर फैंस पुरानी यादों में खो मीनाक्षी शेषाद्रि ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह नागिन के पारंपरिक लुक में नजर आ रही हैं। वीडियो में उन्होंने अपनी फिल्म नाचे नागिन गली गली के टाइटल ट्रैक पर शानदार अंदाज में डांस किया। उनके एक्सप्रेशंस और डांस मूव्स ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वह अपने दौर की बेहतरीन डांसर और अदाकारा क्यों मानी जाती थीं।

रीना रॉय और श्रीदेवी की फिल्मों को किया याद

वीडियो के साथ मीनाक्षी ने एक भावुक नोट भी साझा किया। उन्होंने लिखा कि 70 के दशक में रीना रॉय की फिल्म नागिन ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की थी, जबकि 80 के दशक में श्रीदेवी की नगीना ने भी दर्शकों के दिलों पर राज किया। इसी कड़ी में उन्होंने भी नाचे नागिन गली गली जैसी फिल्म में काम किया था। यही वजह है कि उन्होंने अपनी इस फिल्म के मशहूर गीत को दोबारा जीवंत करने का फैसला किया। मीनाक्षी ने अपने पोस्ट में बताया कि इच्छाधारी नाग-नागिन और रूप बदलने वाले सर्पों की कहानियां भारतीय लोककथाओं और हिंदू मान्यताओं का अहम हिस्सा रही हैं।

मेट्रो बाजार

सेबी ने सूचीबद्ध कंपनियों के फोरेंसिक ऑडिट के लिए 18 और फर्मों को किया पैनल में शामिल

नई दिल्ली बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय विवरणों के फोरेंसिक ऑडिट के लिए अपने पैनल का विस्तार करते हुए 18 अतिरिक्त फर्मों को शामिल किया है। इनमें अर्न्स्ट एंड यंग (ईएंडवाई) एलएलपी, केपीएमजी एश्योरेंस एंड कंसल्टिंग सर्विसेज एलएलपी, जेडएक्स ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी और नांगिया एंड कंपनी एलएलपी शामिल हैं। यह कदम नवंबर 2025 में सेबी द्वारा जारी पब्लिक प्रोक्योरमेंट नोटिस के तहत शुरू की गई चयन प्रक्रिया के बाद उठाया गया है। नियामक द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, नई फर्मों को अप्रैल 2025 में प्रकाशित फोरेंसिक ऑडिटरों की मौजूदा सूची में जोड़ा गया है।

इन फर्मों का पैनल में शामिल होना नवीनतम सूची के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्षों तक वैध रहेगा। बिग फोर से जुड़ी फर्मों और नांगिया एंड कंपनी एलएलपी के अलावा, नई सूची में जे.सी. काबरा एंड एसोसिएट्स, जे. मंडल एंड कंपनी एलएलपी, जे. सिंह एंड एसोसिएट्स, जैन जगावत कामदार एंड कंपनी, पिपारा एंड कंपनी एलएलपी, आर. काबरा एंड कंपनी एलएलपी, आर.एस. पटेल एंड कंपनी, रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी, एस.एस. पेरीवाल एंड कंपनी, सारथ एंड एसोसिएट्स, एसकेवीएम एंड कंपनी, वी. सिंघी एंड एसोसिएट्स, एएसए एंड एसोसिएट्स एलएलपी और सीएलए इंडस वैल्यू कंसल्टिंग भी शामिल हैं।

भारतीय शेयर बाजार: 10 में से पांच कंपनियों का मार्केटकैप 1.54 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का मार्केटकैप बीते एक हफ्ते में 1.54 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। इसमें सबसे अधिक फायदा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और आईसीआईसीआई बैंक को हुआ है। टीसीएस के वैल्यूएशन में सबसे अधिक बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान कंपनी का मार्केटकैप 72,072.3 करोड़ रुपए बढ़कर 8,20,672.70 करोड़ रुपए हो गया। यह उछाल तब आया जब देश की सबसे बड़ी आईटी सर्विस कंपनी ने जून तिमाही में अपने कंसोलिडेटेड मुनाफे में सालाना आधार पर 4.61 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है और निवेशकों को भरोसा जताया कि पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित मांग मौजूदा तिमाही में बेहतर होगी।

आईसीआईसीआई बैंक का मार्केटकैप 29,062.06 करोड़ रुपए बढ़कर 10,34,441.77 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केटकैप इस दौरान 23,884.93 करोड़ रुपए बढ़ा है, जिससे कंपनी का मार्केट वैल्यूएशन 17,95,091.26 करोड़ रुपए हो गया है।

बजाज फाइनेंस का मार्केटकैप 21,946.2 करोड़ रुपए बढ़कर 6,57,274.28 करोड़ रुपए हो गया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केटकैप 7,338.34 करोड़ रुपए बढ़कर 9,63,768.78 करोड़ रुपए हो गया है। दूसरी तरफ, एलएंडटी का मार्केटकैप 18,097.72 करोड़ रुपए कम होकर 5,24,840.68 करोड़ हो गया है। एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 12,080.75 करोड़ रुपए कम होकर 5,48,124.30 करोड़ रुपए हो गया है। भारती एयरटेल का मार्केटकैप 7,706.45 करोड़ घटकर 11,91,067.77 करोड़ रुपए हो गया, जबकि एचडीएफसी बैंक की वैल्यूएशन में 7,084.61 करोड़की कमी आई, जिससे उसका मार्केट कैपिटलाइजेशन 12,62,369.81 करोड़ रुपए हो गया।

भारतीय मैनजेमेंट की हार में लॉर्ड्स का रो...को...शो

26 जून से 19 जुलाई तक विदेशी दौरे पर गई सफेद गेंद की चैंपियन टीम इंडिया का मौजूदा सफर कल लार्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर हार के साथ खत्म हो गया। टी20 फॉर्मेट में सूपड़ा साफ होने के बाद वनडे सीरीज के निर्णायक मुकाबले में भी टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने इस तरह तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम की। अब अगर हम बात टीम इंडिया के विदेशी सरजमीं पर खेले पूरे दौरे की करें तो फिर चैंपियन टीम का स्कोर 10 मैचों में 8-1 का रहा है। वैसे मेरे हिसाब से बारिश की वजह से पूरा न होने वाली भिड़ंत में भी टीम इंडिया की शिकस्त तय ही थी,लेकिन माना वही जाता है जो रिकॉर्ड में दर्ज होता है। खैर टीम इंडिया भले ही सीरीज अपने नाम करने में सफल नहीं रहा,लेकिन फिर भी लॉर्ड्स के मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में तमाम उन सवालों के जवाब निकल कर आ गए जो क्रिकेट जगत के बाजार में पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में थे।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

दरअसल विदेशी दौरे पर गई टी20 चैंपियन टीम इंडिया की क्लीन स्वीप के बाद भी भारतीय क्रिकेट में जिस बात की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही थी, वह सिर्फ टीम का प्रदर्शन नहीं थी। पूरी बहस की सुर्खियों का मूल रो...को.. का भविष्य बनाया हुआ था। हर दिन नई रिपोर्ट, नए दावे और नए कयास सामने आ रहे हैं। ऐसे माहौल में टीम की हार-जीत से ज्यादा चर्चे इसी बात के हो रहे थे, इन दिग्गजों का सफर कितना चलेगा। मजेदार बात यह है कि आईपीएल की दम पर विश्व स्तरीय चार टी20 टीम इंडिया की दुहाई करने वाले भी इस फॉर्मेट में पिटने के बाद अपनी बात से कतरा रहे थे। टी20 फॉर्मेट में लगातार 6मैचों की शिकस्त के बाद भी मैच का मुजरिम कौन जैसे मुद्दे से हटकर बात रो को के भविष्य की करना तो यही जताता है कि खेलप्रेमियों का ध्यान इधर उधर के मद्देनजर इस तरह का शगूफा लगातार छोड़ा जा रहा था। काफी हद तक क्रिकेट जगत इन बातों में उलझा भी नजर आया,लेकिन सच तो यह है कि क्रिकेट पर बारीक नजर रखने वालों के लिए जो सवाल आखिरी मुकाबले तक बने हुए थे उन सभी के जवाब लॉर्ड्स के मैदान पर दिग्गज खिलाड़ियों की जीत और मैनजेमेंट की हार से मिल गये हैं। मेरे नजरिये में मौजूदा पूरे दौरे की करारी हार का असल जिम्मेदार टीम मैनजेमेंट ही है। दरअसल दौरे की शुरुआत से ही जिस अंदाज में टी20 फॉर्मेट की वर्ल्ड चैंपियन टीम के खिलाड़ियों के बीच टीम मैनेजमेंट ने म्यूजिकल चेयर गेम का खेल शुरू किया था मामला तभी से उलझने लगा था। टीम संयोजन में खिलाड़ियों की अदला बदली और फिर मैदान में कप्तान द्वारा इनकी भूमिका और उपयोग से ऐसा लग रहा था कि खेले कोई भी खिलाड़ी मगर चैंपियन तो यही बने रहेंगे। बस टीम मैनजेमेंट की यही सोच और उसके टीम संयोजन का अजब अड़ियल फार्मूला हार की सबसे बड़ी वजह बना। सच तो यह है कि टी20 फॉर्मेट में क्लीन स्वीप झेलने के बावजूद भी टीम मैनेजमेंट के कान में जूं तक नहीं रेंगी। टी20 में पिटने के बाद जब कई दिग्गजों की वापसी और पहले वनडे में जीत भी मिली बावजूद इसके टीम मैनजेमेंट ने मैच के कमजोर पहलू पर गौर ही नहीं किया। दरअसल टीम इंडिया के टॉप 5 बल्लेबाजों के किरदार तो लगभग पूरी सीरीज के लिए तय था, लेकिन गेंदबाजी की कमजोरी तो मैच दर मैच उभर कर आ रही थी। फिर भी टीम मैनजेमेंट ने टी20 की तरह टीम संयोजन में अपना अड़ियल रवैया वनडे भी जारी रखा। दौरे के सभी मैचों में कुलदीप जैसे विकेट टेकर गेंदबाज को दरकिनार करना तो यही साबित करता है। ऐसा लगता है जैसे भारतीय टीम मैनेजमेंट की नजर में विपक्षी टीम की ताकत, कमजोरी,मैदान और पिच के मिजाज की कोई अहमियत ही नहीं रही है। लॉर्ड्स के मैदान पर हुए आखिरी मुकाबले के बाद तो यह बात एकदम साफ भी हो गई कि टीम मैनजेमेंट के फार्मूले और उसकी सोच अजब ही नहीं गजब भी है। वरना अगर वाकई टीम मैनेजमेंट का नजरिया जीत-हार की वजह खोजना होता तो फिर 5 गेंदबाजों के संयोजन में तो कम से कम कुलदीप को मौका दिया ही जा सकता था। लॉर्ड्स की धीमी पिच पर टीम संयोजन में 4 तेज गेंदबाजी फॉर्मूले ने टीम मैनजेमेंट की सोच और नजरिये की कलई खोल दी है। वैसे भी जब पिच मध्यम गति के गेंदबाजों के लिए मददगार हो और मैदान बड़े हों तब भी मैच जिताऊ गेंदबाज की उपेक्षा की जाए तो फिर इसके मायने क्या समझे जाएंगे। मतलब साफ है कि मौजूदा भारतीय टीम मैनजेमेंट न तो खिलाड़ियों के संयोजन में माहिर है व न ही ये खेल की बारीकियों पर नजर रखते हैं। बस इस मैनजेमेंट की तो खूबी यही है कि अगर खिलाड़ियों के दमदार खेल से टीम जीत गयी तो वाहवाही इनके खाते में दर्ज होगी, जबकि अगर टीम को शिकस्त झेलना पड़ी तो फिर इनका फोकस मैच का मुजरिम तलाश करना होती है। अब चूंकि लॉर्ड्स के निर्णायक मुकाबले में मिली हार के बाद सीरीज के विलेन की खोज होनी है तो फिर मेरी तो सोच बस यही है कि वनडे सीरीज ही नहीं वरन मौजूदा पूरे दौरे में हार की सबसे बड़ी वजह सिर्फ ओर सिर्फ टीम मैनजेमेंट ही है।

अब सबसे दिलचस्प बात यह होगी कि आने वाले महीनों में टीम इंडिया का बोर्ड,चयनकर्ता और टीम मैनजेमेंट किस तरह की रणनीति अपनाते है। क्या अनुभव को प्राथमिकता मिलेगी या पूरी तरह युवाओं पर भरोसा किया जाएगा? क्या होगा यह सवाल तो फिलहाल भविष्य के गर्त में छुपा हुआ है, लेकिन मेरा नजरिया इस मामले में साफ है कि जब किसी भी सीरीज में हुई करारी शिकस्त की गाज खिलाड़ियों पर गिर सकती है तो फिर हार के कटघरे में मैनजेमेंट का आना तो बनता ही है।

केंद्रीय एजेंसी की चार राज्यों में छापामारी

1109 करोड़ रुपए का बैंक घोटाला सीबीआई ने गुप्ता पॉवर पर दी दबिश

भुवनेश्वर. एजेंसी

1109 करोड़ रुपए के बैंक ऋण घोटाले की जांच में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ा कदम उठाते हुए गुप्ता पॉवर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के कई ठिकानों पर छापामारी की है। भुवनेश्वर की विशेष सीबीआई अदालत से मिले वारंट के आधार पर ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और झारखंड में कंपनी से जुड़े परिसरों की तलाशी ली गई। कार्रवाई के दौरान कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

सीबीआई के अनुसार, कंपनी पर बैंकों से ऋण लेने के लिए वित्तीय आंकड़ों और स्टॉक वैल्यू को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप है। जांच एजेंसी का कहना है कि गलत वित्तीय जानकारी के आधार पर ऋण सीमा बढ़वाई गई और बाद में ऋण राशि का दुरुपयोग करते हुए उसे अन्य खातों व उद्देश्यों में स्थानांतरित किया गया। इससे बैंकों को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। छापामारी के दौरान भुवनेश्वर में कंपनी के चार निदेशकों के आवास, कोलकाता स्थित पंजीकृत कार्यालय, उत्तराखंड के काशीपुर, तमिलनाडु के तिरुवल्लूर और भुवनेश्वर स्थित उत्पादन इकाइयों की तलाशी ली गई। सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और जब्त दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है।

2900 करोड़ का लिया था कर्ज

जांच में सामने आया है कि गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर ने विभिन्न बैंकों के कंसोर्टियम से करीब 2900 करोड़ रुपये का ऋण लिया था। कंपनी पर पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के 270 करोड़ रुपये और बैंक ऑफ इंडिया (बीओआइ) के 226 करोड़ रुपये का बकाया होने का आरोप है। दोनों बैंकों ने वर्ष 2025 में इन ऋण खातों को धोखाधड़ी की श्रेणी में डाल दिया था और इसकी सूचना भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को भी दी गई थी।

एनसीएलटी तक पहुंचा मामला

कंपनी के खिलाफ नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) में भी याचिका दायर की गई वहीं, केनरा बैंक ने कंपनी की विभिन्न संपत्तियों की नीलामी के लिए सार्वजनिक नोटिस जारी किया था। कंपनी ने केनरा बैंक, यूनियन बैंक, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, यूको बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक और आईडीबीआई बैंक समेत कई बैंकों से ऋण लिया था।

ये थे गारंटर

केनरा बैंक से ऋण लेने के समय कंपनी के प्रबंध निदेशक महेंद्र कुमार गुप्ता के अलावा अभिषेक गुप्ता, जितेंद्र मोहन गुप्ता, किरण देवी गुप्ता, विनीत मोहन गुप्ता और मनमोहन गुप्ता गारंटर के रूप में शामिल थे। सीबीआई अब पूरे लेन-देन और फंड के इस्तेमाल की जांच कर रही है।

जबलपुर : भेड़ाघाट का ग्लास ब्रिज बनकर तैयार, जल्द ही पर्यटकों के लिए खुलेगा

जबलपुर। भेड़ाघाट के न्यू सरस्वती घाट पर निर्मित बहुप्रतीक्षित ग्लास ब्रिज अब पूरी तरह तैयार हो चुका है। करीब 4.76 करोड़ रुपए की लागत से बने इस पर्यटन प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद अब केवल प्रशासनिक औपचारिकताएं शेष हैं। अधिकारियों के अनुसार जल्द ही कलेक्टर का निरीक्षण कराया जाएगा। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य का अवलोकन कराया जाएगा, जिसके बाद इसे जिला स्तरीय जबलपुर टूरिज्म प्रमोशन काउंसिल (जेटीपीसी) को संचालन के लिए सौंपने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

स्थानः न्यू सरस्वती घाट, भेड़ाघाट।

लागतः 4.76 करोड़ रुपए।

कैंटीलीवर व्यू प्वाइंटः लगभग 18 मीटर।

चौड़ाईः 6 फीट।

वर्तमान स्थितिः निर्माण पूर्ण, कलेक्टर के निरीक्षण के बाद जेटीपीसी को सौंपने की तैयारी।

संचालनः जबलपुर टूरिज्म प्रमोशन काउंसिल (जेटीपीसी) द्वारा किया जाएगा।

कानपुर के दो लड़कों ने अमेजन कंपनी को लगाया 10 लाख रुपए का चूना

कानपुर, एजेंसी

कानपुर देहात पुलिस ने अमेजन के डिलीवरी सिस्टम का दुरुपयोग कर करीब 10 लाख की धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। भोगनीपुर थाना पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में पकड़े गए आरोपियों की पहचान रोहित ठाकुर उर्फ रोहित डिफाल्टर और मंजीत गुप्ता उर्फ मंजीत जीनियस के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से आठ लाख रुपये नकद, एक कार, एक बाइक, तीन एंड्रॉयड मोबाइल और छह सिम कार्ड बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक, रोहित ने फर्जी पहचान के आधार पर पुखरायां स्थित अमेजन डिलीवरी सेंटर में डिलीवरी बॉय की नौकरी हासिल की थी। उसे कालपी क्षेत्र का रूट मिलने के बाद उसका साथी मंजीत फर्जी नाम-पते से एप्पल वॉच, एयरपॉड्स सहित महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान ऑर्डर करता था। पार्सल सेंटर पहुंचने पर रोहित इसकी जानकारी मंजीत को देता। इसके बाद ऑर्डर कैंसिल कर दिया जाता और हीट गन से पैकिंग खोलकर असली सामान निकाल लिया जाता। उसकी जगह डमी सामान रखकर पार्सल दोबारा सील कर दिया जाता। एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडे के अनुसार, एक से 11 जून के बीच करीब 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी हुई। दोनों आरोपी पहले भी ठगी के मामलों में जेल जा चुके हैं। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, पार्सल से निकाले गए महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान को दोनों आरोपी कानपुर और दिल्ली के व्यापारियों को बाजार भाव से कम कीमत पर बेच देते थे।

लखनऊ के जवाहर भवन में लगी आग, मचा हड़कंप

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के व्यस्त हजरतगंज क्षेत्र स्थित जवाहर भवन में आज सुबह सबसे ऊपरी मंजिल पर स्थित कैंटीन में अचानक भीषण आग लग गई। बता दें कि जवाहर भवन में कई विभागों के दफ्तर हैं। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। बताया जा रहा है कि आग चौथी मंजिल पर कैंटीन में लगी है। सरकारी इमारत के ऊपरी हिस्से में आग लगने से परिसर में हड़कंप मच गया। जवाहर भवन में उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों के निदेशालय और कार्यालय संचालित होते हैं। सूत्रों के मुताबिक, सुबह कार्यालय पहुंचे कर्मचारियों ने इमारत से धुआं उठता देखा, जिसके बाद पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी गई।

मुंबई : मानखुर्द में डिवाइडर से टकराई BEST बस, एक की मौत, दो घायल

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से सड़क हादसे की एक दर्दनाक वारदात सामने आई है। मुंबई के मानखुर्द इलाके में आज की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जानकारी के मुताबिक, सायन-पनवेल हाईवे पर एक बीईएसटी बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में डिवाइडर के पास खड़े एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि बस चालक और परिचालक घायल हो गए हैं। आइए जानते हैं कि इस हादसे के बारे में अब तक क्या जानकारी मिली है।

जानकारी के अनुसार, मुंबई के मानखुर्द स्थित सायन-पनवेल हाईवे पर विश्वकर्मा अस्पताल के सामने आज सुबह एक बस

दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में तीन लोग घायल हुए, जिनमें से एक व्यक्ति को अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया गया, जबकि दो घायलों का इलाज चल रहा है। इससे पहले महाराष्ट्र के वर्धा जिले से भी भीषण हादसे की खबर सामने आई थी। यहां समृद्धि एक्सप्रेसवे पर एक ट्रक ने कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है।

मेट्रो एंकर

भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और बादल फटने की घटनाओं से बढ़ी चिंता

बारिश बनी बाधा: अमरनाथ और वैष्णो देवी यात्रा दूसरे दिन भी स्थगित

कटड़ा, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश और खराब मौसम के चलते अमरनाथ, माता वैष्णो देवी और शिव खोड़ी धाम की यात्राएं आज लगातार दूसरे दिन भी स्थगित रहीं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने यात्राओं पर अस्थायी रोक जारी रखने का फैसला किया है। मौसम विभाग की भारी बारिश की चेतावनी के बाद अमरनाथ यात्रा को अगले आदेश तक रोक दिया गया है। जम्मू, उधमपुर और रामबन से श्रीनगर की ओर श्रद्धालु वाहनों की आवाजाही भी प्रतिबंधित है। विभिन्न बेस कैंपों और आवास केंद्रों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु रुके हुए हैं। कटड़ा में पुलिस लाउडस्पीकर के जरिए श्रद्धालुओं को वैष्णो देवी यात्रा स्थगित होने की सूचना दे रही है। प्रशासन का कहना है कि मौसम में सुधार और मार्गों को पूरी तरह सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद ही यात्रा शुरू की जाएगी। वहीं, रियासी जिले में शिव खोड़ी यात्रा भी अगले आदेश तक स्थगित है। लगातार बारिश से कई इलाकों में भूस्खलन और फ्लैश फ्लड का खतरा बढ़ गया है। पुंछ के सुरनकोट क्षेत्र में फ्लैश फ्लड से सात लोगों की मौत की सूचना है, जबकि कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। सेना, पुलिस और एसडीआरएफ राहत-बचाव में जुटी हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उच्चस्तरीय बैठक कर 24 घंटे कंट्रोल रूम सक्रिय रखने और राहत कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं।

प्रशासन ने श्रद्धालुओं से सुरक्षित स्थानों पर रुकने की अपील की

जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम को देखते हुए प्रशासन ने अमरनाथ, वैष्णो देवी और शिव खोड़ी जाने वाले श्रद्धालुओं से यात्रा शुरू करने से पहले आधिकारिक अपडेट जरूर जांचने की अपील की है। भारी बारिश के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और सड़क बाधित होने का खतरा बना हुआ है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं को मौसम सामान्य होने तक बेस कैंप और निर्धारित आवास केंद्रों में ही ठहरने की सलाह दी है। अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू, उधमपुर और रामबन से आगे जाने वाले वाहनों पर भी रोक है। वैष्णो देवी यात्रा के संबंध में कटड़ा बेस कैंप से लगातार घोषणाएं की जा रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, मार्गों की सुरक्षा की समीक्षा के बाद ही यात्राओं को दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया जाएगा।

बंगाल के सभी सरकारी दफ्तरों में बांग्ला भाषा अनिवार्य : शुभेंदु

कोलकाता। बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आज विधानसभा में घोषणा की कि एक सितंबर 2026 से राज्य में सभी सरकारी स्तरों पर बांग्ला भाषा का प्रयोग अनिवार्य होगा। इसके तहत सभी सरकारी विभागों और कार्यालयों में आधिकारिक कार्य तथा पत्राचार बांग्ला भाषा में किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के सभी विभागों के बीच होने वाला पत्राचार बांग्ला में होगा। वहीं, केंद्र सरकार के साथ होने वाले आधिकारिक पत्राचार में बांग्ला के साथ हिंदी का भी उपयोग किया जाएगा। सरकार का कहना है कि इस निर्णय का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में बांग्ला भाषा को प्राथमिकता देना और आम लोगों के लिए सरकारी व्यवस्था को अधिक सुगम बनाना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बांग्ला भाषा के संरक्षण, संवर्धन और उसके अध्ययन को बढ़ावा देने के संबंध में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को बांग्ला में पत्र लिखा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564